



@Qpatrika



@qaumipatrika hindi



instagram.com/qaumipatrika

कौमि पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 12 अगस्त 2024

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरुचरण सिंह बख्बर वर्ष 17 अंक 277 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

विनेश ने समर्थन में दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 11 अगस्त। हरियाणा जजपा नेता व प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पहलवान विनेश फोगाट को लेकर एक प्रस्ताव रखा है। दुष्यंत चौटाला ने पहलवान विनेश फोगाट को राज्यसभा सदस्य बनाने का प्रस्ताव पेश किया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा की है।



उन्होंने एकस पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने विनेश फोगाट को राज्यसभा सदस्य बनाने की बात कही है। दुष्यंत चौटाला ने पोस्ट किया है कि राज्यसभा में चार मनोनीत सदस्यों की सीट खाली है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जल्द ही चार सदस्यों को मनोनीत करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी से मेरा निवेदन है कि वो पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की तरह देश की बहादुर बेटी विनेश फोगाट को भी राज्यसभा में मनोनीत करे ताकि युवाओं, महिलाओं और खिलाड़ियों की एक मजबूत आवाज देश की संसद में पहुंचे। राज्यसभा में 4 मनोनीत सदस्यों की सीट खाली है, जिस पर राष्ट्रपति जी जल्द ही 4 सदस्यों को मनोनीत करेंगी। राष्ट्रपति जी, प्रधानमंत्री जी से मेरा निवेदन है कि वो सचिन तेंदुलकर की तरह देश की बहादुर बेटी विनेश फोगाट को भी राज्यसभा में मनोनीत करे ताकि युवाओं, महिलाओं और खिलाड़ियों की एक विनेश फोगाट जैसी अंतरराष्ट्रीय गौरव पहलवान को पार्टी की राजनीति और चुनाव से नहीं गुजरना चाहिए। देश का मानना है कि राज्यसभा में मनोनीत होना ही भारत को इस बहादुर बेटी का असली सम्मान होगा, जिसकी वो हकदार है। विनेश इसी 25 अगस्त को मनोनीत की सभी योग्यताएं पूरी कर लेंगी।

अदाणी मामले की विधिवत जांच हुई, बुच ने खुद को अलग भी किया

सिम्ली कौर बख्बर

नई दिल्ली, 11 अगस्त। हिंडनबर्ग रिसर्च के ताजा आरोपों पर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। बाजार नियामक ने कहा है कि चैयरपर्सन माधवी बुच ने समय-समय पर प्रसंगिक खुलासे किए हैं। चैयरपर्सन ने संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग कर लिया था। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की हालिया रिपोर्ट पर सेबी ने कहा है कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ लगे सभी आरोपों की जांच की है। सेबी ने बताया कि जिन मामलों में जांच पूरी हुई, उनमें कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। आगे कहा गया है, "जांच की अवधि के दौरान सेबी किसी मामले में कुछ भी कहने से बचता है।" हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के जवाब में सेबी ने निवेशकों को शांति बनाए रखने

और सोच समझकर कदम उठाने की नसीहत दी है। सेबी ने कहा, "निवेशकों को शांत रहने की जरूरत है। ऐसी रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया देने से पहले सही ढंग से तैयारी कर लेनी चाहिए।" इसके अलावा निवेशकों को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अस्वीकरण पर भी ध्यान देना चाहिए। सेबी ने कहा, "शॉर्ट अदालत ने अपने

आदेश में कहा है कि सेबी ने 24 में से 22 मामलों में जांच पूरी कर ली है। तीन जनवरी वर्ष 2024 के शोर्ष अदालत ने कहा था कि सेबी ने अदाणी समूह के 24 मामलों में से 22 मामलों की जांच पूरी कर ली है। सेबी ने आगे कहा कि बाकी बचे दो मामलों में से एक की जांच मार्च 2024 में पूरी कर ली गई। इसके अलावा एक मामले की जांच लगभग समाप्त होने वाली है। आपको बता दें कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर निशाना साधते हुए एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट ने हड़कंप मचा दिया था, क्योंकि हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। जनवरी 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने अदाणी समूह द्वारा स्टॉक मूल्य में हेरफेर के आरोपों की जांच एसआईटी को स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने सेबी को तीन महीने के भीतर दो लंबित मामलों में अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया था।



दो लंबित मामलों में अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया था।

सेबी की विश्वसनीयता पर हमला, इसके प्रमुख का चरित्र हनन करने की साजिश

नई दिल्ली, 11 अगस्त। बाजार नियामक सेबी की प्रमुख माधवी पुरी बुच और उनके पति ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को निराधार बताया हुए उसे सिरे से खारिज कर दिया है। बुच दंपती ने रविवार को कहा कि अमेरिकी शोर्ष और निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च सेबी की विश्वसनीयता पर हमला करने और चैयरपर्सन का चरित्र हनन करने की कोशिश कर रही है। दरअसल, हिंडनबर्ग ने शनिवार रात को जारी एक रिपोर्ट में संदेह जाया है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी प्रमुख और उनके पति धवल बुच की अदाणी समूह से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी हो सकती है। हिंडनबर्ग के इन आरोपों के जवाब में बुच दंपति ने रविवार को एक विस्तृत बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि आईआईएफएल वैक्यू मैनैजमेंट के एक फंड में उनका निवेश सिंगापुर स्थित निजी नागरिक के रूप में किया गया था। माधवी के सेबी में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल होने से दो साल पहले यह निवेश किया गया था। इसके साथ ही दंपती ने कहा कि 2019 से ब्रैकस्टोन में वरिष्ठ सलाहकार धवल बुच की डिविडेंड फर्म के रिजल्ट एस्टेट पक्ष से नहीं जुड़े हैं। बयान के मुताबिक, वर्ष 2017 में सेबी में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में माधवी की नियुक्ति के तुरंत बाद उनकी दो परामर्श कंपनियां निष्क्रिय हो गई थीं।

सिरमौर में खुलेगा 100 बिस्तरों का राज्य स्तरीय नशा मुक्ति केंद्र

कौमी संवाददाता

शिमला, 11 अगस्त। प्रदेश सरकार सिरमौर जिले के पच्छिम उपमंडल के कोटला बडोग में राज्य स्तरीय आदर्श नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह नशा मुक्ति केंद्र मादक पदार्थों की लत से जुड़ रहे लोगों की सहायता करेगा और उन्हें नशीली दवाओं पर अपनी निर्भरता से उबरने तथा आत्मनिर्भरता के साथ समाज में फिर से एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने नशे से निपटने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं को मादक पदार्थों के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं जिसका उद्देश्य उन्हें नशे की लत से बचना है। मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने कहा कि आज के दौर में युवाओं को नशे से दूर रखना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि समाज को भी नशे की लत से जुड़ रहे लोगों का मनोबल बढ़ाना चाहिए ताकि वे दृढ़ इच्छाशक्ति से मादक पदार्थों का सेवन छोड़ सकें।



सकें। सुक्खू ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सिंथेटिक मादक पदार्थों के सेवन को खत्म करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र का उद्देश्य एक ही परिस्तर में सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करके इस संकट से उत्पन्न गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य मुद्दों से निपटना है। मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र में कर्म, शौचालय, भोजन की व्यवस्था, मनोरंजन स्थल, पुस्तकालय, व्यायामशाला और खेल, ध्यान और योग की सुविधाएं भी दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त केंद्र में कौशल विकास व व्यावसायिक प्रशिक्षण और इन-हाउस उपचार, भोजन, कपड़े और लॉन्ड्री जैसी अनिवार्य सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस समग्र दृष्टिकोण का उद्देश्य नशे के आदी लोगों के लिए महत्वपूर्ण सहायता और पुनर्वास सेवाओं का मानकीकरण करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे से जुड़ रहे पुरुष और महिलाओं के लिए इस केंद्र में 100 बिस्तरों की सुविधा होगी। इस केंद्र का उद्देश्य राज्य के युवाओं को नशे से दूर रखना और समाज में सकारात्मक योगदान सुनिश्चित करना है। नशा मुक्ति केंद्र के लिए चयनित स्थल 157 बीघा और 07 बिस्वा में फैला हुआ है। यहां मौजूदा इमारतों को मामूली मरम्मत के साथ फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है, वहीं अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की योजना भी तैयार की गई है। लोक निर्माण विभाग को कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने और ऐसे लोगों को मुख्यधारा में लाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा को लिखा पत्र

कोलकाता, 11 अगस्त। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में महिला डॉक्टर को मौत के बाद राजनीति गरमाई हुई है। अब पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र में इस नृशंस हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की है। आपको बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल में शुक्रवार को महिला डॉक्टर का शव मिलने से हड़कंप मच गया था। शुरुआती जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि महिला डॉक्टर की हत्या करने से पहले उनका यौन उत्पीड़न किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भेजे गए पत्र में सुकांत मजूमदार ने लिखा, "मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की मांग उठ रही है। अपराध की गंभीरता को देखते हुए त्वरित न्याय की आवश्यकता है। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि अपराधियों को सख्त सजा देने के लिए और जांच में तेजी लाने के लिए सीबीआई को जिम्मेदारी सौंपी जाए।" पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष ने आगे लिखा, "इस घोर अपराध से इस बात का संकेत दिया है कि देशभर में राज्य सरकारों द्वारा संचालित अस्पतालों में सुरक्षा मानकों को मजबूत करने की आवश्यकता है। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग से एक टीम को पश्चिम बंगाल भेजे। इससे मामले की जांच सही ढंग से होगी और उपयुक्त कदम उठाए जा सकेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, सुरक्षाकर्मियों की तैनाती करने और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का भी काम किया जाए।"

सेबी पर लगे आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति से कराई जाए घोटाले की जांच: मल्लिकार्जुन खरगे

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेबी पर लगे आरोपों की जांच करने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अदाणी समूह और सेबी की मिलीभगत से हुए घोटाले को दूर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराई जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के जेपीसी से जांच करना जरूरी है। नहीं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की संवैधानिक संस्थाओं से सम्बद्धता करके अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को अदाणी समूह के घोटालों की जांच कराकर सेबी पर लगे आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करनी होगी। साथ ही तुरंत कार्रवाई करनी होगी। एक्स पर किए गए एक पोस्ट में खरगे ने कहा कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में अदाणी समूह पर लगे आरोपों पर खारिज कर दिया था। अब सेबी प्रमुख पर आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के निवेशक अपनी मेहनत की कमाई शेर बाजार में निवेश करते हैं। ऐसे घोटालों और आरोपों के बाद निवेशक चिंतित हैं। उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। खरगे ने कहा कि इस घोटाले की जांच जेपीसी से कराना जरूरी है। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे किए गए हैं। रिपोर्ट में

निवेशक चिंतित हैं। उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। खरगे ने कहा कि इस घोटाले की जांच जेपीसी से कराना जरूरी है। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे किए गए हैं। रिपोर्ट में



भारतीय शेयर बाजार नियामक सेबी की प्रमुख और उनके पति पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ताजा रिपोर्ट सामने आने के बाद भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के नाम कथित अदाणी घोटाले से जुड़ रहा है। शनिवार देर रात आई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट ऑफशोर फंड में दंपती की हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि सेबी की चैयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की मांरिस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनामिक ऑप्टिमाइज्ड फंड में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि इसी कंपनी में गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी ने अरबों डॉलर का निवेश किया है। आरोप है कि इस पैस का इस्तेमाल ही शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया। आरोपों को सेबी प्रमुख और उनके पति पहले ही बेनुवियाद बता चुके हैं। अदाणी समूह का कहना है कि हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए नए आरोप दुर्भावनापूर्ण, शरारती और बहकाने के मकसद से लगाए गए हैं। अदाणी समूह ने कहा कि हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए

तजा आरोप दुर्भावनापूर्ण हैं। इसके लिए फर्म गलत इरादों से सार्वजनिक तौर पर मौजूद जानकारी के बहकाने वाले तरीके से चुनकर, तथ्यों और कानूनों की उपेक्षा कर निजी लाभ हासिल करने के लिए पूर्व निर्धारित निष्कर्षों पर पहुंची है।

खराब प्रदर्शन वाले जिलों के पुलिस अफसरों पर सीएम सख्त

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 11 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित अपराधों के निस्तारण में हीलाहवाली करने वाले अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी है साथ ही सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। माना जा रहा है कि सीएम योगी के अल्टीमेटम के बाद भी सुधार न होने पर कई अधिकारियों पर गज गिर सकती है। वैसे तो उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश में पहले स्थान पर है। बावजूद इसके प्रदेश के कई जिलों का महिला संबंधी अपराधों के निस्तारण का अनुपात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षा के अनुस्य नहीं है। सीएम योगी की मंशा है कि महिला संबंधी अपराधों का निस्तारण शत-प्रतिशत होना चाहिए, जबकि प्रदेश के कुछ जिलों का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में अधिकारियों ने सीएम योगी के सामने आईटीएसएसओ पोर्टल के आधार पर 1 अप्रैल 2023 से 30 अप्रैल 2024 की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें बताया गया कि उत्तर प्रदेश महिलाओं और

बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश भर के रेश्यो में पहले स्थान पर है। प्रदेश का निस्तारण रेश्यो 98.70 प्रतिशत है। वहीं केंद्र शासित राज्यों में लद्दाख पहले और ददर और नगर हवेली एवं दमन दीव दूसरे स्थान पर है। इस पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए गृह विभाग की बैठक में धपथपाई। वहीं अधिकारियों ने रिपोर्ट के आधार पर सीएम को बताया कि प्रदेश के कुछ जिलों के अधिकारी निस्तारण को लेकर गंभीर नहीं हैं। रिपोर्ट में उनकी लापरवाही सामने आयी है। इस पर सीएम योगी ने नाराजगी जाहिर करते हुए ऐसे अधिकारियों (एसपी, एसएसपी) और पुलिस कमिश्नर) को एक माह में सुधार लाने का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही अधिकारियों को एक माह बाद लापरवाह अधिकारियों की रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करने के निर्देश दिये हैं। माना जा रहा है कि यदि लापरवाह अधिकारियों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं होता है तो उन पर गज गिर सकती है। अधिकारियों के अनुसार इन जिलों में निस्तारण का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है जबकि सीएम योगी महिला एवं



(आईटीएसएसओ) पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज कमिश्नरेट का कॉम्प्लायंस रेट क्रमशः 80.48 प्रतिशत है। वहीं प्रतापगढ़ का कॉम्प्लायंस रेट 84.31 प्रतिशत, कानपुर ग्रेडत का 85.37 प्रतिशत और चित्रकूट का 86.27 प्रतिशत है। इस पर सीएम योगी ने बेहद नाराजगी जाहिर की है। सीएम ने इन जिलों के अधिकारियों को जरी टर्लरेंस नोटि के तहत अपराधों पर लागू लागने के साथ दर्ज मामलों में कम से कम समय में आरोपियों को सजा दिलाने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह बरेली में महिला अपराध संबंधी 29971 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 8 मामलों की फाइल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.27 प्रतिशत है। अलीगढ़ में 1910 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 6 मामलों की फाइल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.31 प्रतिशत है। सुल्तानपुर में 952 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 3 मामलों की फाइल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.32 प्रतिशत है। फतेहगढ़ में 767 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2 मामलों की फाइल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.26 प्रतिशत है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राथमिकता के आधार पर पेंडिंग मामलों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने इसके लेकर वर एक माह बाद भी समीक्षा करेंगे अगर स्थिति संतोषजनक नहीं मिलती तो बेरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अमरौहा में महिला अपराध संबंधी 1142 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1117 मामलों में फाइल रिपोर्ट सफिट की गई। इसका फाइल रिजल्ट 97.81 प्रतिशत है।

हिंदुओं को लेकर मोहम्मद यूनुस ने छात्रों से की भावुक अपील

तेजिन्द्र कौर बख्बर

ढाका, 11 अगस्त। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ अब बांग्लादेश का हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यक लोग एकजुट हो गए हैं। शनिवार को लाखों की संख्या में अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और अपनी एकजुटता दिखाई। बांग्लादेश की राजधानी ढाका और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर चटगांव में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नेता मोहम्मद यूनुस ने भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के प्रति नाराजगी जताई और इसे घृणित करार दिया। मोहम्मद यूनुस ने आंदोलन कर रहे छात्रों से अल्पसंख्यक हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों को बचाने की अपील करते हुए कहा कि क्या वे हमारे देश के लोग नहीं हैं? आपने देश

बचाया तो क्या आप कुछ परिवारों को नहीं बचा सकते?...आपको कहना चाहिए किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। वे भी हमारे भाई हैं। हम साथ लड़ें और हम साथ ही रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंगा की घटनाओं में सैंकड़ों अल्पसंख्यक घायल हुए हैं और कई के घर-मकान तबाह कर दिए गए हैं। कई हिंदू मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। हिंसा की घटनाओं में शोध हसीना की पार्टी आवामी लोग के दो हिंदू नेताओं की भी हत्या कर दी गई है। हजारों की संख्या में हिंदू समुदाय के लोग देश छोड़ने की फिराक में हैं। शनिवार को बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग ढाका की सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा करने वाले लोगों के खिलाफ जल्द और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही संसद में 10 प्रतिशत सीटें अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित होनी चाहिए। अल्पसंख्यक सुरक्षा कानून बनाया जाना चाहिए।

बांग्लादेश में शोध हसीना की सरकार गिरने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ देश के 52 जिलों में हिंसा की 205 घटनाएं हो चुकी

बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय सीमाओं के जरिए घुसपैठ की कोशिश

कोलकाता, 11 अगस्त। बांग्लादेश के 11 नागरिक पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय सीमाओं के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश करते पकड़े गए हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से यह जानकारी दी गई है। दरअसल, बांग्लादेश में छत्र आरक्षण विरोधी आंदोलन कर रहे हैं। इस वजह से यहां हिंसा का दौर चल रहा है। हिंसा की तमाम कोशिशों के बाद भी हिंसा धमने का नाम नहीं ले रही। अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। लोग अपनी जान बचाकर सीमा पार कर भारत आने की कोशिश कर रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर घुसपैठिए भी सीमा पार करने की साजिश रच रहे हैं। इन सब के बीच राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बीते सोमवार को पड़ोसी मुल्क की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली आई थीं। इसके बाद 84 वर्षीय नोबेल

पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने मुख्यमंत्री के अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। बीएसएफ की ओर से रविवार को बताया गया कि पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य पुलिस की सौंप दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि भारत में घुसपैठ करते हुए 11 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पार कर पकड़े गया है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा सीमा से दो-दो और मेघालय सीमा से सात को पकड़ा गया है। बताया गया कि बीएसएफ बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचारों को लेकर अपने समकक्ष बीबीबी के साथ संपर्क में है।



ब्रिक्स नयी बहुध्रुवीय दुनिया में सबसे आगे, वेनेजुएला है योगदान का इच्छुक

एजेंसी संयुक्त राष्ट्र। ब्रिक्स गठबंधन बहुध्रुवीय विश्व की नयी संरचना को नेतृत्व कर रहा है और वेनेजुएला ने अपना योगदान देने की इच्छा जतायी है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र में वेनेजुएला के उप राजदूत जोर्जिनो पेर्रेज एस्ट्रान ने दी। श्री एस्ट्रान ने कहा कि 'ब्रिक्स उभरती हुई इस नयी बहुध्रुवीय दुनिया में सबसे आगे है और वेनेजुएला इस नयी दुनिया के एकीकरण में योगदान देना चाहता है।'



व्हाइट हाउस के पास मिले संदिग्ध पैकेट की जांच कर रहे अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के पास मिले एक संदिग्ध पैकेट की जांचकारी प्राप्त होने के बाद अमेरिकी आपातकालीन अधिकारी व्हाइट हाउस पहुंचे और कई प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया और संदिग्ध पैकेज की जांच की। यह जानकारी अमेरिकी गुप्त सेवा के प्रवक्ता ने स्पष्टीकरण के बाद प्रवक्ता ने कहा कि किसी संदिग्ध वस्तु की जांच के लिए यह एक सामान्य बंद है। प्रवक्ता ने कहा कि अगर उन्हें सार्वजनिक सुरक्षा संबंधी चिंता का पता चलता है तो एक अपडेट प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी उच्च-स्तरीय अमेरिकी अधिकारी फिल्हाल व्हाइट हाउस में नहीं है, राष्ट्रपति जो बाइडेन डेलावेयर में हैं और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एरिजोना में हैं।



पाकिस्तान में मुठभेड़ में तीन सैनिक व चार आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर जिले में मुठभेड़ के दौरान कम से कम तीन सैनिक और चार आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि खैबर जिले के तिगाह घाटी क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई।



'हम साथ लड़े और साथ ही रहेंगे', हिंदुओं को लेकर मोहम्मद यूनूस ने छात्रों से की भावुक अपील

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ अब बांग्लादेश का हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यक लोग एकजुट हो गए हैं। लाखों की संख्या में अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों ने नैशनल प्रेस स्टेडियम के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणी की। फोन पर चर्चा के दौरान, मैकरो और दोनों अरब नेताओं ने दो-राज्य समाधान के आधार पर संकट का स्थायी और निश्चल समाधान करने की दिशा में काम करना जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। फ्रांसीसी नेता ने अरब लीग, इस्लामी सहयोग संगठन और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करने के लिए फ्रांस की प्रतिबद्धता को दोहराया जिससे एक राजनीतिक संरचना को परिभाषित किया जा सके जो क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल करेगा।



मोहम्मद यूनूस ने की भावुक अपील बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नेता मोहम्मद यूनूस ने भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के प्रति नाराजगी जताई और इसे घृणित करार दिया। मोहम्मद यूनूस ने आंदोलन कर रहे छात्रों से अल्पसंख्यक हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों को बचाने की अपील करते हुए कहा कि 'क्या ये हमारे देश के लोग नहीं हैं? आपने देश बचाया तो क्या आप कुछ परिवारों को नहीं बचा सकते?...आपको कहना चाहिए कि किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। वे भी हमारे भाई हैं। हम साथ लड़े और हम साथ ही रहेंगे!'



मालदीव का चीन से हुआ मोहभंग, जयशंकर से मुलाकात के बाद मुइज्जू बोले- भारत हमारा अमूल्य पार्टनर

एजेंसी ढाका। पिछले कुछ महीनों से भारत-मालदीव संबंधों में आ रही मधुरता के संकेतों के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने 28 द्विपक्षीय फैली जल एवं स्वच्छता परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए भारत को मालदीव का सबसे करीबी मित्र और अमूल्य साझेदार बताया। वहीं, जयशंकर ने कहा कि भारत-मालदीव हमारी साझेदारी के आदर्श वाक्य 'मालदीव द्वारा कल्पना, भारत द्वारा कार्यान्वित' को मूर्त रूप देता है। इस मौके पर जयशंकर ने कहा, 'हमारा प्रयास होगा कि हम अपने संबंधों को इस परिभाषित विशेषता का लाभ उठाएं और नई ऊंचाइयों को छूएं। मुझे उम्मीद है कि महामहिम राष्ट्रपति आपके मार्गदर्शन और

ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने के लिए अपनी सरकार की पूर्ण प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने

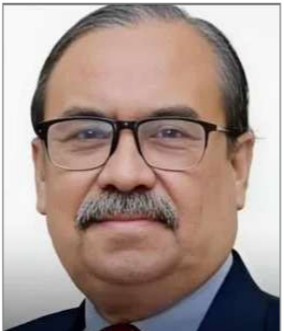


यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पथर साबित होगा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत के साथ घनिष्ठ और

विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। दोनों ने छह प्रमुख क्षेत्रों- आर्थिक संबंधों, आवास, रक्षा, पर्यटन, क्षमता विकास

प्रदर्शनकारियों के दबाव के बीच बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश का इस्तीफा

एजेंसी ढाका। बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने छत्र प्रदर्शनकारियों के दबाव के बीच कानून मंत्रालय को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बांग्लादेश मीडिया ने यह खबर दी। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार यह कदम एक विपक्षी नेता की ओर से श्री हसन को पद छोड़ने की मांग करने वाले अल्टीमेटम के बाद उठाया गया है। उम्मीद है कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन उनके इस्तीफे पर कार्रवाई करेंगे। मुख्य न्यायाधीश के साथ सुप्रीम कोर्ट के अपीलपील प्रभाग के पांच न्यायाधीश भी इस्तीफा देने वाले थे। गौरतलब है कि गत राविवार को भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन की ओर से अधिकारियों के साथ एक बहु-दिवसीय 'असहयोग कार्रवाई' की घोषणा के बाद पूरे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। छात्रों, पुलिस और सरकार समर्थकों के बीच झड़पें दोनों में बदल गईं। अशांति के बीच बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया।



मैकरो ने गाजा से संघर्ष विराम की मांग की

एजेंसी पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैकरो ने गाजा में युद्धविराम के लिए फ्रांस के समर्थन की पुष्टि की है, जिसका उद्देश्य सभी बंधकों को रिहा करना, गाजावासियों की रक्षा करना और बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना है। यह जानकारी एलिसी पेरैलेस ने दी। मैकरो ने मिश्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी, कतार के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणी की। फोन पर चर्चा के दौरान, मैकरो और दोनों अरब नेताओं ने दो-राज्य समाधान के आधार पर संकट का स्थायी और निश्चल समाधान करने की दिशा में काम करना जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। फ्रांसीसी नेता ने अरब लीग, इस्लामी सहयोग संगठन और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करने के लिए फ्रांस की प्रतिबद्धता को दोहराया जिससे एक राजनीतिक संरचना को परिभाषित किया जा सके जो क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल करेगा।

गोपालगंज में झड़प में 7 घायल, फूकी सेना की गाड़ी

ढाका। गोपालगंज में दोपहर एक झड़प में सेना के पांच जवानों सहित सात लोग घायल हो गए और एक सैन्य वाहन को आग लगा दी गई। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है। 'डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना गोपालगंज सदर उपजिला के गोपीनाथपुर यूनिन में गोपीनाथपुर बस स्टैंड के पास लगभग 3:30 बजे हुई।



मालदीव के रक्षा मंत्री से मिले विदेश मंत्री जयशंकर, सुरक्षा सहयोग पर हुई चर्चा

एजेंसी माले। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून् के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। यह चर्चा समुद्री सुरक्षा के लिए संयुक्त पहल, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के सप्ताह लक्ष्य पर केंद्रित थी।

जोर देते हुए कहा, मालदीव हमारी नेबरहुड फर्सट नीति की आधारशिलाओं में से एक है, यह हमारे विजन सागर में से एक है। साथ ही ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों को संक्षेप में कहें तो, भारत के लिए पड़ोस प्राथमिकता है, और पड़ोस में मालदीव प्राथमिकता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने दोनों देशों के सामने आने वाली आम चुनौतियों और उनके रक्षा तथा सुरक्षा सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया।



बैठक के बाद विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून् के साथ एक बहुत अच्छी बैठक हुई। भारतीय-मालदीव रक्षा, सुरक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा के लिए संयुक्त पहल और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के हमारे साझा हितों पर चर्चा हुई है। इससे पहले उन्होंने माले के लैनूजियारा पार्क में एक प्रतीकात्मक वृक्षारोपण समारोह में भाग लिया, जहां उन्होंने मालदीव

आने वाले वर्षों के लिए एक महत्वाकांक्षी खाका तैयार करने का भी अवसर है। मैं आश्चर्य है, वास्तव में बहुआयामी साझेदारी होगी। उन्होंने भारत की विदेश नीति में मालदीव के रणनीतिक महत्व पर

चार्ल्स तृतीय ने की पुलिस की सराहना

एजेंसी लंदन। ब्रिटेन के सम्राट चार्ल्स तृतीय ने साउथपोर्ट में बच्चों पर चाकू से हमले के बाद देश में फैली अशांति पर काबू पाने के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया और उसकी सरहना की। स्काई न्यूज़ ने बकिंगहम पैलेस के प्रवक्ता के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा, 'महामहिम को वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी गई और उन्होंने उन क्षेत्रों में शांति बहाल करने के लिए पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के प्रति हार्दिक

धन्यवाद व्यक्त किया, जो हिंसक अव्यवस्था से प्रभावित थे।' प्रवक्ता ने कहा कि सम्राट ने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ ही राष्ट्रीय पुलिस प्रमुखों की परिषद के अध्यक्ष, मुख्य कांस्टेबल गैविन स्टीफंस और यूके गौड कमांडर बेन हैरिंगटन, एसेक्स के मुख्य कांस्टेबल के साथ संयुक्त रूप से बातचीत की। साउथपोर्ट में 29 जुलाई को बच्चों के डॉस क्लब में चाकू घोंपने से तीन बच्चों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। पुलिस ने एक 17 वर्षीय लड़के को हिंसक में लिया और उस पर हत्या का तीन मामला



जिम्बाब्वे में दो सड़क दुर्घटनाओं में 13 की मौत



एजेंसी हारारे। जिम्बाब्वे में दो सड़क दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता पॉल न्याथी ने शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मासिंगो और गोकवे में हुई दो सड़क दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है। समाचार एजेंसी के मुताबिक पहली दुर्घटना मासिंगो प्रांत के मासिंगो शहर में शुक्रवार शाम स्थानीय समयानुसार करीब 4:30 बजे हुई। ढलान से गुजरते समय बस पर से चालक का नियंत्रण खत्म हो गया और हदसा हो गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई और 99 लोग घायल हो गए। न्याथी ने बताया कि दूसरी दुर्घटना मिड्लैंड्स प्रांत के गोकवे शहर के बाहर शाम करीब 6 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। इसमें एक कार के गड्डे में फंसे और फिर एक वैन से टकराने से छह लोगों की मौत हो गई। हदसे में आठ लोग घायल हो गए।

हिंसा और अशांति के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं ने निकाली विशाल विरोध रैली

एजेंसी चित्तागोंग। बांग्लादेश में तख्तापलट के साथ फैली हिंसा, अराजकता और अशांति के बीच हजारों हिंदू बांग्लादेश के मध्य में चित्तागोंग में एकत्र हुए, उन्होंने देश के भीतर हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ एक विशाल विरोध रैली निकाली और देश के नागरिकों के रूप में सुरक्षा और समान अधिकारों की मांग की।

देश में सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करें। 'द डेली स्टार' ने एकता परिषद के अध्यक्ष रोसासियों के हवाले



यूनस के नेतृत्व में गुरुवार को अंतरिम सरकार का शपथ भी हो गया है, लेकिन हालात अभी भी बद-से-बदतर बने हुए हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध-ईसाई आंदोलन परिषद ने यूनस को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि इसमें सात लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें लोगों ने हिंदुओं के खिलाफ चल रही हिंसा का विरोध किया, जो पूर्व पीएम हसीना के तख्तापलट के बाद भारत में पहुंचने के बाद से बढ़ गई है। माना जाता है कि पिछले कुछ दिनों में कट्टरपंथियों ने हिंदुओं के घरों, व्यवसायों और यहां तक कि मंदिरों पर हमला किया है, जिसमें सैकड़ों हिंदू घायल हो गए हैं। लगातार जारी

जिम्बाब्वे में दो सड़क दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता पॉल न्याथी ने शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मासिंगो और गोकवे में हुई दो सड़क दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है। समाचार एजेंसी के मुताबिक पहली दुर्घटना मासिंगो प्रांत के मासिंगो शहर में शुक्रवार शाम स्थानीय समयानुसार करीब 4:30 बजे हुई। ढलान से गुजरते समय बस पर से चालक का नियंत्रण खत्म हो गया और हदसा हो गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई और 99 लोग घायल हो गए। न्याथी ने बताया कि दूसरी दुर्घटना मिड्लैंड्स प्रांत के गोकवे शहर के बाहर शाम करीब 6 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। इसमें एक कार के गड्डे में फंसे और फिर एक वैन से टकराने से छह लोगों की मौत हो गई। हदसे में आठ लोग घायल हो गए।

अखबार की मानें तो 'संगठनात्मक विवरण और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हजारों हिंदू परिवार बेसहारा हो गए हैं और कई मंदिरों पर हमला किया गया और जला दिया गया है। कई महिलाओं को हमलों का सामना करना पड़ा है, और कई स्थानों पर हत्याएं हुई हैं। इस अवधि के दौरान अन्य अल्पसंख्यकों को भी नुकसान उठाना पड़ा है।' ढाका ट्रिब्यून ने यह भी बताया

अखबार की मानें तो 'संगठनात्मक विवरण और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हजारों हिंदू परिवार बेसहारा हो गए हैं और कई मंदिरों पर हमला किया गया और जला दिया गया है। कई महिलाओं को हमलों का सामना करना पड़ा है, और कई स्थानों पर हत्याएं हुई हैं। इस अवधि के दौरान अन्य अल्पसंख्यकों को भी नुकसान उठाना पड़ा है।' ढाका ट्रिब्यून ने यह भी बताया

अमेरिकी मध्य कमांड ने हूटी के मिसाइल लांचर, ड्रोन नष्ट किये

एजेंसी सना। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने उत्तरी यमन में शासन करने वाले अंसार अल्लाह (हूटी) आंदोलन के एक मिसाइल लांचर, एक मानवरहित सतह पोत (यूएसवी) और लाल सागर के ऊपर दो ड्रोन को नष्ट कर दिया है।

दिया है। हूटी लड़ाकों ने नवंबर 2023 में इजरायल से जुड़े किसी भी जहाज पर तब तक हमला करने की कसम खाई है जब तक कि वह गाजा पट्टी में सैन्य कार्रवाई को रोक नहीं देता। हूटी हमलों के बीच, कुछ कंपनियों ने लाल सागर के माध्यम से शिपमेंट को निलंबित कर दिया है। इन हमलों ने अमेरिका को एक बहुराष्ट्रीय गठबंधन बनाने के लिए प्रेरित किया, जिसमें ब्रिटेन और अन्य देश शामिल हैं। गठबंधन का उद्देश्य लाल सागर के क्षेत्र में नौकान को रक्षा करने के साथ-साथ जमीन पर हूटी लक्ष्यों पर हमला करना शामिल है।



सेंटकॉम ने एक बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में उसके बलों ने यमन के हूटी-नियंत्रित क्षेत्रों में एक ईरान समर्थित मिसाइल लांचर और एक यूएसवी को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इसके अतिरिक्त लाल सागर के ऊपर दो हूटी ड्रोन को भी नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि ये हथियार अमेरिका और गठबंधन बलों तथा क्षेत्र में कारोबार करने वाले जहाजों के लिए स्पष्ट एवं

आसन्न खतरा है। गाजा संघर्ष के बाद हूटी विद्रोहियों ने अपने हमलों को बढ़ा

मुर्मु तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी लेस्ते। तिमोर-लेस्ते की राजकीय यात्रा पर गई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को वहां राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्टो ने देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार गेंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित किया। यह पुरस्कार राजकीय सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति समर्पण के लिए दिया गया है।

मुर्मु तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, गेंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित किया। यह पुरस्कार राजकीय सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति समर्पण के लिए दिया गया है।



बाद में, दोनों राष्ट्रपतियों ने द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें आईटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य और दवा, कृषि और क्षमता निर्माण पर चर्चा हुई। श्रीमती मुर्मु ने प्रधानमंत्री सानाना गुसमाओ के साथ भी चर्चा की। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्टो ने

है। भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच दोस्ती की गहराई का प्रतीक।' पोस्ट में कहा गया कि श्रीमती मुर्मु और तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति ने दिल्ली के

पुरस्कार सार्वजनिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति समर्पण के लिए है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह सम्मान भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच दोस्ती के संबंधों का प्रतिबिंब

गाजा शहर के स्कूल पर इजरायली हमले में कम से कम 100 की मौत

एजेंसी गाजा। गाजा शहर के एक स्कूल पर हुए इजरायली हमले में कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह जानकारी प्रेस टीवी ने टेलीग्राम पर दी। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने भी आज कहा कि उसने गाजा शहर के एक स्कूल पर हवाई हमला किया उसने यह दावा दिया कि स्कूल में फिलिस्तीनी आंदोलन हमसे क लड़के मौजूद थे।



पुरस्कार सार्वजनिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति समर्पण के लिए है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह सम्मान भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच दोस्ती के संबंधों का प्रतिबिंब

कौमी पत्रिका	
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर स्वामी मुरक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका फ़ाउंडेशन प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रॉनिका सिटी लोनी (गाँजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापरकर प्रकाशित किया।	
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg TTO, New Delhi-110002 फ़ोन : 011-41509689, 23315814 मोबाइल नंबर : 9312262300	
E-mail address : qpatrika@gmail.com Website: www.guampatrika.in	
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472	
Legal Advisors: Advocate Mohd. Sajid Advocate Dr. A.P. Singh Advocate Manish Sharma Advocate Pooja Bhaskar Sharma	

मोदी सोमवार को 109 जैव-सशक्त किस्में जारी करेंगे

एजेंसी नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त विभिन्न फसलों की 109 किस्में जारी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर श्री मोदी किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी करेंगे। श्री मोदी 61 फसलों की 109 किस्में जारी करेंगे, जिनमें 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइनर और अन्य फसलों सहित विभिन्न अनाजों के बीज जारी किए जाएंगे। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी की जाएंगी।



टीवी सोमनाथन कैबिनेट सचिव नियुक्त

नयी दिल्ली। सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएस)के वरिष्ठ अधिकारी टीवी सोमनाथन को कैबिनेट सचिव नियुक्त किये जाने का निर्णय किया है। कार्यालय एवं प्रशिक्षण विभाग के जारी स्कूलर के अनुसार, श्री सोमनाथन इस माह के अंत में अपना नया कार्यभार ग्रहण करेंगे। श्री सोमनाथन, श्री राजीव गोबा का स्थान लेंगे। झारखंड कैड के 1982 बैच के आईएस गोबा 30 अगस्त 2019 से कैबिनेट सचिव के पद पर कार्यरत हैं। विभाग के अनुसार मंत्रिमंडल की नियुक्तियों संबंधी समिति ने तमिलनाडु कैड के 1987 बैच के आईएस श्री सोमनाथन को कैबिनेट सचिव बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उनका कार्यकाल 30 अगस्त से दो साल के लिये रखा गया है। परिपत्र में कहा गया है कि कैबिनेट सचिव का पद संभालने से पहले वह कैबिनेट सचिवालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे और 30 अगस्त को कैबिनेट सचिव का कार्यभार संभालेंगे।



बंगलादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले पर कांग्रेस ने जताई चिंता
नई दिल्ली। कांग्रेस ने बंगलादेश में अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमलों पर चिंता व्यक्त की और उम्मीद जताई कि अंतरिम सरकार अल्पसंख्यक समुदायों में विश्वास पैदा करने के लिए सशक्त कदम उठाएगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया हैब्ल 'एकध' पर कहा, यह देखते हुए कि बंगलादेश के भीतर देश की बहु-धार्मिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रभावशाली अवाजें उठ रही हैं, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस वहां अल्पसंख्यकों पर तथा उनकी संपत्तियों और पूजा स्थलों पर लक्षित हमलों को रिपोर्ट कर अपनी चिंता व्यक्त करती है। श्री रमेश ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को उम्मीद है कि बंगलादेश में अंतरिम सरकार अल्पसंख्यक समुदायों में विश्वास पैदा करने के लिए सशक्त कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वे सुरक्षा, सम्मान और सद्भाव के माहौल में अपना जीवन जीना जारी रखें।

भारतीय संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी ने स्थापना दिवस पर 50 हस्तियों को किया सम्मानित

एजेंसी नई दिल्ली। भारतीय संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी ने अपने 19 वें स्थापना दिवस एवं संस्थापक बाबा साहब ओमप्रकाश सिंह की जयंती पर यहां आयोजित समारोह में पूरा मंडल सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों के 50 लोगों को सम्मानित किया। सम्मानित व्यक्तियों में कथक नृत्यांगना जयंती माला मिश्रा, साहित्यकार एवं प्रशासक सुरेंद्र सिंह तोमर, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के डॉ विवेक गुप्ता (अपोला दिल्ली) और अधिवक्ता फातिमा खान और पारुल कटिया सहित सामाजिक, बौद्धिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में रचनात्मक योगदान करने वाले 50 व्यक्ति शामिल थे। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह भदौरिया ने कहा कि लोकतंत्र में न केवल बड़े दलों और संगठनों बल्कि छोटे संगठनों और दलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि उनका दल विभिन्न प्रांतों में छोटे दलों के साथ नेटवर्क बना कर इन दलों की भूमिका को प्रभावी बनाने में लगा है। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता ए पी सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री देवेंद्र शुक्ला, राष्ट्रीय सचिव उमेशानंद, प्रयागपीठ ने पार्टी के सभी राष्ट्रीय एवं में प्रवेश के पदाधिकारियों ने अपने विचारों को व्यक्त किया। दिल्ली स्थित कांग्रेस काँग्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित इस कार्यक्रम का कार्यक्रम में देश भर से आये पार्टी

चीनी उत्पादन का मुनाफा किसानों के खातों में पहुंचना चाहिए : शाह

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसान की समृद्धि ही सरकार की प्राथमिकता है और उसका लक्ष्य चीनी उत्पादन का सारा मुनाफा किसान के बैंक खातों में पहुंचना है। श्री शाह यहां नेशनल फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनिक स्टार फेडरेशन लिमिटेड के 'चीनी उद्योग संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय दक्षता पुरस्कार 2022-23' समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए और सहकारिता के आठ क्षेत्रों में सहकारी चीनी मिलों को राष्ट्रीय दक्षता पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारा देश पुराने समय से सहकारिता आंदोलन का साक्षी रहा है और सहकारिता हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित अनेक राज्यों ने इसमें नेतृत्व की



केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2013-14 में गन्ना उत्पादन का क्षेत्र 50 लाख हेक्टेयर था जिसे मात्र 10 साल में लगभग 18 प्रतिशत बढ़ाकर 60 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने में हमें सफलता मिली है। गन्ना का उत्पादन तीन करोड़ 52 लाख टन था जो आज 40 प्रतिशत बढ़कर चार करोड़ 91 लाख टन हो गया है। इसी प्रकार, उमज में 19 प्रतिशत और कुल चीनी उत्पादन में 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इथेनॉल का उत्पादन और उसमें चीनी का डायवर्सन शून्य था, जो आज 45 लाख टन है। चीनी उद्योग से इथेनॉल की प्राप्ति पहले 38 करोड़ लीटर होती थी और उसका सीमित उपयोग होता था, जो आज 370 करोड़ लीटर हो गया है। श्री शाह ने कहा कि इन सब का सीधा फायदा किसानों की जेब में गया है। उन्होंने कहा कि जब बायोप्यूल अलायंस के ज़रिए

विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक-एक बच्चे को शिक्षा देनी होगी : सिसोदिया

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनोष सिसोदिया ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक-एक बच्चे को शिक्षा देनी होगी। श्री सिसोदिया ने आज यहीं पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो देश के एक-एक बच्चे को शिक्षा देनी होगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई कहता है कि वह बिना स्कूल बनाये, बिना अस्पताल बनाए और बिना अच्छे इलाज दिये देश को विकसित राष्ट्र बना लेगा तो वह जुलमेबाज ही हो सकता है, दूरदर्शी नहीं हो सकता है। श्री सिसोदिया ने तानाशाही के खिलाफ लड़ने के लिए सभी को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा जो एनडीए में नये-नये गये हैं, मैं उसका कहना चाहता हूँ, ये मत सोचना कि सिर्फ आम आदमी पार्टी के नेता ही जेल जाएंगे, नंबर उनका भी आएगा। अगर विपक्ष एकजुट होकर हुंकार भर देगा तो 24 घंटे के अंदर अरविंद केजरीवाल भी बाहर आ जाएंगे। 'तानाशाही भारत छोड़ो' के लिए हम सबको लड़ना होगा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हम भगत सिंग के परिवार के सदस्यों व पार्टी नेताओं के साथ कर्नाटक प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बजरंग बली के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने बजरंग बली की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। यहाँ उनके साथ आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह, मंत्री सौरभ भारद्वाज, आतिशी समेत अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। उसके बाद श्री सिसोदिया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजवाट पहुंचे। यहां उन्होंने हाथ जोड़कर महात्मा गांधी को नमन किया और उनकी समाधि पर पुष्प अर्पित किया।

एजेंसी नई दिल्ली। हिमालय पर्वतारोहण संस्थान के दिव्यांगजन अभियान दल ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अर्घ्य की महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो के उरुकु शिखर पर 7800 वर्ग फुट का भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया है।



रक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में रूप कैप्टन जय किशन के नेतृत्व में वहां गये इस दल में दिव्यांग उदय कुमार एवं अन्य शामिल थे। इस दल ने एक मिशन के तहत कंचनजंजा नेशनल पार्क से माउंट किलिमंजारो तक यात्रा कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की जिसमें पहली बार एक दिव्यांग पर्वतारोही ने बैसाखी का इस्तेमाल करते हुए मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया।

राहुल ने वायनाड जाने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल में भूस्खलन प्रभावित वायनाड का दौरा करने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि तबाही को देखते हुए वह इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करेंगे। श्री गांधी ने अपने सोशल मीडिया हैब्ल एक्स पर लिखा, धन्यवाद मोदी जी, भयानक त्रासदी का व्यक्तिगत रूप से जायजा लेने के लिए वायनाड आने के लिए। यह एक अच्छा फैसला है। मुझे विश्वास है कि एक बार जब प्रधानमंत्री तबाही की भयानकता को प्रत्यक्ष रूप से देखेंगे, तो वे इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करेंगे। प्रधानमंत्री वायनाड का दौरा करेंगे, जहां वह राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा करेंगे तथा आपदा में जीवित बचे लोगों से बातचीत भी करेंगे। वह सुबह करीब 11 बजे कन्नूर पहुंचेंगे और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। बचाव



दिव्यांगजन पर्वतारोही दल ने किलिमंजारो चोटी पर 7800 वर्ग फुट का तिरंगा फहराया

किया। मौसम की स्थिति और सभी सदस्यों की मेडिकल फिटनेस को ध्यान में रखते हुए दल ने 8 अगस्त को तड़के तीन बजे उरुकु शिखर की ओर चढ़ाई शुरू की। जोधिम



भरे इलाके में 10 घंटे की कठिन चढ़ाई के बाद दल दल में एक बजे सफलतापूर्वक उरुकु चोटी के शिखर पर पहुंचा और 5,895 मीटर की ऊंचाई पर खड़े होकर माउंट किलिमंजारो की उरुकु चोटी के

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को हम सुधारालोक प्रणाली के रूप में देखते हैं - सूफ़ी शकील अहमद कादरी

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 के लिए जेपीसी का गठन किया गया है। इसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों को शामिल किया गया है। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जारी सियासत के बीच, मटका शाह द्वारा के चीफ सूफ़ी शकील अहमद कादरी ने आईएनएस से खास बातचीत की। उन्होंने एस बिल को सुधारालोक प्रणाली बताया है। सूफ़ी शकील अहमद कादरी ने कहा कि, वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को हम सुधारालोक प्रणाली के रूप में देखते हैं। वक्फ की संपत्तियों का ह्रास बेहतर है, पिछली सरकारों ने इसकी तरफ कोई खास ध्यान नहीं दिया। वक्फ की संपत्ति को हमेशा से दूसरे लोगों ने ही इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि, हमारे बुजुर्गों ने कौम को विदमद बनाएं, कौम और मानवता को आगे बढ़ाने के लिए अपनी संपत्ति दी थी। लेकिन, पिछली सरकार ने इसका सही इस्तेमाल नहीं किया। इसलिए हमें लगता है कि मोदी सरकार की ओर से उतया जा रहा कदम कामयाबी को प्रलौट है। इस्लाम धर्म में आज जो तकरार देखी जाती है, वह न सिर्फ सिया और सूफ़ी की है, बल्कि देवदंड और बरेलवी के बीच भी तकरार शुरू हो चुकी है। जितनी भी सरकारें आती हैं, वह वक्फ बोर्ड में ऐसे लोगों को चेररमैन बनाती हैं, जो दराह के खिलाफ होते हैं।

Multiple 'Name Change' notices for various individuals, including details of old and new names, addresses, and dates of birth. Includes a 'SARVJANIK SUCHNA' notice and a 'PUBLIC NOTICE' regarding a legal matter.

मोदी ने अमन को पदक जीतने पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलवान अमन सहरावत को कांस्य पदक जीतने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री मोदी ने आज टेलीफोन पर अमन से बात की और पेरिस ओलंपिक खेलों में पदक जीतने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपको पदक जीतने पर बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आपने अपने नाम के अनुरूप देशवासियों का मननभर दिया है। आपका जीवन देशवासियों के लिए प्रेरक है जिन्होंने कई कठिनाइयों के बाद संघर्ष करते हुए यह पदक जीता और अपने देश का नाम रोशन किया। उन्होंने कहा कि आपने छोटी उम्र में पदक जीतकर देशवासियों को खुशियों से भर दिया है। श्री मोदी ने कहा कि आप जैसे बहुत कम खिलाड़ी होते हैं जो अखाड़े को ही अपना घर बना लेते हैं एवं कड़ी मेहनत कर देशवासियों को खुशी देते हैं। अमन ने श्री मोदी को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वह 2028 ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप पदक के रंग की चिंता न करें।

सीबीआई ने 11 ठिकानों पर की छापेमारी

लखनऊ, 11 अगस्त। प्रयागराज रेलवे भर्ती बोर्ड की डीजीसीई (जनरल डिपार्टमेंट कंप्यूटिव एजन्स) का पेपर लीक मामले में सीबीआई ने राजस्थान और यूपी में 11 ठिकानों पर छापे मार दिए हैं। सीबीआई की टीमों ने प्रयागराज, नोएडा, अलीगढ़, मथुरा, चित्तूर व राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, करौली, अलवर, रसवाड़ माधोपुर में एक साथ छापे मारकर दस्तावेज बरामद किए हैं। रेलवे बोर्ड के उपनिदेशक विजयसिंह अर्जुन कुमार मीना की शिकायत पर सीबीआई लखनऊ, की एंटी करप्शन ब्रांच ने परीक्षा देने वाले और पेपर लीक करने के बदले पैसा लेने वाले 11 रेलकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, परीक्षा करने वाली एजेंसी अप्टेक लि. को भी आरोपी बताया गया है। रेलवे ने शिकायत में अपनी विजिलेंस जांच रिपोर्ट का हवाला दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज के रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा 6 अगस्त 2021 को आयोजित डीजीसीई परीक्षा का पेपर लीक करके 50-60 अभ्यर्थियों को पहुंचाया गया था। ट्रेक मेंटर राजस्थान के भरतपुर के भूप सिंह, वेगारज, महावीर सिंह व प्रोताम सिंह, अलवर का जितेंद्र कुमार मीना, चोर्ट मोहित भट्टा शामिल हैं।

Multiple 'Name Change' notices for various individuals, including details of old and new names, addresses, and dates of birth.

Multiple 'Name Change' notices for various individuals, including details of old and new names, addresses, and dates of birth.

Multiple 'Name Change' notices for various individuals, including details of old and new names, addresses, and dates of birth.

नशे के व्यापार में शामिल असामाजिक तत्वों की सूचना दें: प्रदीप दहिया

एजेंसी हिंसा। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने स्कूल संचालकों को निर्देश दिए हैं कि स्कूलों के आसपास नशे के व्यापार में शामिल असामाजिक तत्वों की सूचना जिला प्रशासन के साथ साझा करें ताकि उन पर कड़ा एक्शन किया जा सके। सभी स्कूल संचालक विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करें। उपायुक्त प्रदीप दहिया लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में स्कूल संचालकों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नशे पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। नशा तस्करों की पहचान करके उनके नेटवर्क को तोड़ना ही जिला प्रशासन का प्रमुख लक्ष्य है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिले में नशे को खत्म करने के लिए सभी अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रदीप नरवाल, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विनेश फोगाट मामले में सरकारी सिस्टम हुआ फेल, क्या कर रही थी साथ गई टीम: सैलजा

हांसी। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने प्रदेश की जनता के साथ निरंतर दस साल तक धोखा किया है। अब भी बीजेपी अपने जुमलेबाजी से बाज नहीं आ रही। बीजेपी ने सिखाया भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के कुछ नहीं किया। कुमारी सैलजा हांसी में पत्रकारों की संवेधान्त कर रही थीं। उन्होंने कहा कि विनेश फोगाट का 100 ग्राम वजन बढ़ जाना सरकारी तंत्र की फेलियर है। खिलाड़ियों के साथ गई टीम क्या कर रही थी कि उन्हें इस्का पता नहीं चला। खिलाड़ियों पर राजनीति ही रही है। जिस उदाहरण दिखने में देखा गया जब खिलाड़ी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उन्हें घसीटा गया। जबकि सरकार को खिलाड़ियों की मांगों को मानना चाहिए था क्योंकि खिलाड़ियों का प्रदर्शन करना काम नहीं है। उनको अग्रिम के लिए समर्थन की जरूरत होती है। स्कूलों में गुड मार्किंग की जगह जयहिंद बोलने के सरकारी फैसेले पर कुमारी सैलजा ने कहा कि यह तो काँग्रेस का आजादी से पहले का ही नारा है। हम सभी जयहिंद आमतौर पर ही बोलते हैं। पर अब बीजेपी एक और जुमला लेकर आई है। राम मंदिर के निर्माण पर चुटकी लेते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि अभी से मंदिर टपकर लगा है।

भाजपा ने कुछ नहीं किया, हम सब मिलकर नया हरियाणा बनाएँ - सुनीता केजरीवाल

इज्जर। हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियाँ जोरों पर हैं। आम आदमी पार्टी (आप) भी हुंकार भर रही है। कथित शराब चोटाले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने मोर्चा संभाल लिया है। सुनीता केजरीवाल हरियाणा के इज्जर पहुंचीं। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली और पंजाब को बदल दिया है और अब वह हरियाणा को भी बदलेंगे। विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक भी वोट न देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता को अपने बेटे अरविंद केजरीवाल को भारी मोर्चे से जिताना है। यह बात हरियाणा के इज्जर की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में महिला कॉलेज की बात की थी, लेकिन आज तक नहीं बनाया। किसानों को सिंचाई का पानी नहीं मिलता। शहरों में सौर नहीं है, प्रदेश के अंदर क्या विकास हुआ है? उन्होंने कहा कि हरियाणा में पिछले 10 साल से भाजपा की सरकार है। उन्हें विकास से कोई लेना-देना नहीं है। टैक्स के पैसे के बदले आपको बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा और अच्छा स्वास्थ्य मिलना चाहिए।

205 गांव में वाटर टैस्टिंग मोबाइल वैन ने किए पानी के सैंपल चैक

जौंद। जिले के 205 गांवों में वाटर टैस्टिंग मोबाइल वैन ने पानी के सैंपल चैक किए हैं। नरवाना खंड के गांवों में पानी के सैंपल चैक करने का कार्य शुरू हो गया है। सैंपल टैस्टिंग की रिपोर्ट मोक के ही दी जाएगी। जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार रणधीर मतान ने बताया कि यह मोबाइल वाटर टैस्टिंग लैब वैन 31 अगस्त तक नरवाना ब्लॉक में रहेगी। उन्होंने कहा कि सुलाई से शुरू हुई इस वैन ने विभिन्न गांवों में जा कर पानी के सैंपल एकरिज किए और साथ के साथ टेस्ट करके ग्रामीणों को भी जानकारी दी। बीआरसी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि गांव सिंगवल के स्कूल बच्चों और ग्रामीणों को मोक के पानी टेस्ट करके रिपोर्ट बताई गई। साइंस कक्षा के विद्यार्थियों को वैन से टेस्ट किए जाने वाले 11 तरह के टेस्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। ग्रामीणों और बच्चों को बताया गया कि आपकें घरों तक पहुंचाया जाने वाला पानी नियमित रूप से नरवाना लैब में भी चैक करवाया जाता है। बीआरसी ने ग्रामीणों को बताया कि आपकें घरों तक पहुंचाया जाने वाला पानी पूर्णतया शुद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि सभी लोग इसे वैन में इस्तेमाल करें व बर्था नालों में न बहने दें। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या समाधान के लिए विभाग के टोल फ्री नंबर 18001805678 पर कॉल करें।

मुख्यमंत्री ने पटौदी विधानसभा को दी कई सौगात

एजेंसी गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पटौदी विधानसभा वासियों को बड़ी सौगातें दी। उन्होंने लगभग 184 करोड़ रुपये की 87 परियोजनाओं का उद्घाटन व

- 184 करोड़ रुपये की 87 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास
- गांव ताजपुरनगर, गुरुग्राम में बनेगा वेटरनरी पॉलिटेक्निक एवं पशु ट्रेनिंग सेंटर
- गांव माजरी में 3.50 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा पोलिटेक्निक कॉलेज

आशीर्वाद रैली में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने क्षेत्र को सौगातें देने के क्रम में गांव माजरी में



3.50 करोड़ रुपये की लागत से पोलिटेक्निक कॉलेज खोलने, पटौदी-फरुखपुर जौन को लो पोटेंशियल जौन से मीडियम पोटेंशियल जौन घोषित करने तथा लोक निर्माण विभाग की सड़कों के सुधारीकरण के लिए 2.5 करोड़ रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में बिजली की समस्या का निराकरण करते हुए गांव सिवाड़ी, गांव जसात व दौलातबाद में 20.50

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने किसानों को दी बड़ी सौगात

खरीफ और बागवानी फसलों पर मिलेगा 2,000 रुपये प्रति एकड़ बोनस

एजेंसी यमुनानगर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक बार फिर किसानों के हित में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि किसानों को खरीफ फसलों के साथ-साथ बागवानी फसलों के लिए भी 2,000 रुपये प्रति एकड़ बोनस दिया जाएगा। यह निर्णय राज्य के किसानों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो सकता है, खासकर उस समय जब फसलों की लागत बढ़ रही है और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बना हुआ है।

हरियाणा के कृषि मंत्री कंवर पाल गुजर ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों की सच्ची हैथैपी है। उन्होंने कहा कि यह बोनस किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आया और यह निर्णय राज्य में खेती के प्रति सकारात्मक माहौल बनाएगा। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि हरियाणा एकमात्र ऐसा राज्य है जहां सभी फसलों पर न्यूनतम



आर्थिक स्थिति को और सुदृढ़ करेगा।

इस बोनस के ऐलान के बाद हरियाणा के किसानों को खरीफ और बागवानी फसलों के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ अतिरिक्त सहायता मिलेगी, जो खेती की लागत को कम करने में मदद करेगी। इस कदम को राज्य में कृषि क्षेत्र के लिए मील का

चौका माना जा रहा है, और यह साबित करता है कि सरकार किसानों

हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद को मिली अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली द्वारा अर्थशास्त्र में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई है। डॉ. प्रसाद ने फैक्टर शेयर



बदलने वाली प्रतिस्थान की लोच के साथ पूंजी आवंटन का मूल्यंकन विषय पर अपने शोधकार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। उनके शोध ने पूंजी आवंटन और आर्थिक दक्षता के बीच के जटिल संबंधों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की है, जिसमें यह अध्ययन किया गया है कि फैक्टर शेयर में होने वाले बदलाव कैसे आर्थिक परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। हरियाणा के मुख्य सचिव के रूप में डॉ. प्रसाद ने पहले ही अपने असाधारण नेतृत्व और जन सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उनकी हाल ही में प्राप्त पीएचडी उपाधि उनके कौशल को और अधिक सशक्त बनाती है।

बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्रों में समान रूप से हो रहे हैं विकास कार्य : सीमा त्रिखा

चंडीगढ़। हरियाणा की राज्य शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने आज करीदाबाद के वाई.नं.12 में 1 जे और 1 एच के पार्कों के नवीनीकरण के कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 1 ए, बी, सी, डी और जी ब्लॉक के पार्कों को जौंधार का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा। इन सभी पार्कों के नवीनीकरण पर लगभग 1 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत आएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शहर में जन सुविधाओं का विकास करना हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य सवका साथ, सवका विश्वास और सवका विकास है। जन विकास योजनाओं का अभी शिलान्यास किया गया है, उनको जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शुभवत्ता से करने व निर्मात समय पर निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रदेश सरकार द्वारा पॉकेट के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जनहित के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं और बिना भेदभाव के सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए आया हुआ पैसा पूरी ईमानदारी के साथ विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत विकासोन्मुखी शासन ने पूरे देश में प्रगति के मार्ग को प्रशस्त किया है और इस नींव पर निर्माण कार्य जारी रखना आवश्यक है और प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

जिले में विभिन्न विभाग 11 से 14 अगस्त तक निकालेंगे तिरंगा यात्रा

उपायुक्त ने तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक में दिए दिशा-निर्देश

एजेंसी हिंसा। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा है कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा 11 से 14 अगस्त तक तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसमें आमजन की सक्रिय भागीदारी रहेगी। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने तिरंगा यात्रा की तैयारियों बारे संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि राष्ट्रीय ध्वज हम सबका गौरव है, हर व्यक्ति इस यात्रा में बढ़-चढ़कर भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि जिले के सभी गांवों में यह तिरंगा यात्रा सार्वजनिक स्थल से शुरू होगी, जिसमें कर्मचारी, महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी वर्कर, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, एनएसएस, एनसीसी वालंटियर, आशा वर्कर, नंबरदार, डिपो होल्डर आदि भाग लेंगे। इस दौरान शहीदों के परिवारों को सम्मानित भी किया जाएगा। उपायुक्त के कल्याण के प्रति समर्पित है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार के इस फैसले से प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है, और यह उम्मीद जताई जा रही है कि इस तरह के निर्णय किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगे और राज्य की कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

अपने व्यवसाय में ईमानदारी व विश्वसनीयता बनाए रखें सीए : बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि देश प्रथममंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आर्थिक तरक्की की ओर आगे बढ़ रहा है। जल्दी ही हम दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहे हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान देना चाहिए। राज्यपाल गुरुग्राम विश्वविद्यालय के सभागार में द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की दो दिवसीय वर्कशॉप परचम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट का व्यवसाय ईमानदारी और भरोसे से परिपूर्ण होना चाहिए। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जो आर्थिक प्रगति लाई, उसे हमें आगे बढ़ाने में सहायता देनी चाहिए। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट का विकास के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल की वीसी उपासना अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि

राज्यपाल ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश में 1700 सीए थे, जो कि आज 60 लाख से अधिक हो गए हैं। यह संकेत है कि



आयकर की आवक 7 लाख 20 हजार करोड़ रुपये थी, अब वर्ष 2023-24 में यह बढ़कर 19 लाख 50 हजार करोड़ रुपये हो गई है। कर संग्रह में चार्टर्ड अकाउंटेंट का बड़ा योगदान रहता है। सीए की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को उन्होंने कहा कि जीवन में धन का महत्व ना होकर ज्ञान का अधिक महत्व है। इसलिए ज्ञान अर्जन करने। वर्कशॉप में

राज्यपाल ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश में 1700 सीए थे, जो कि आज 60 लाख से अधिक हो गए हैं। यह संकेत है कि

आयकर की आवक 7 लाख 20 हजार करोड़ रुपये थी, अब वर्ष 2023-24 में यह बढ़कर 19 लाख 50 हजार करोड़ रुपये हो गई है। कर संग्रह में चार्टर्ड अकाउंटेंट का बड़ा योगदान रहता है। सीए की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को उन्होंने कहा कि जीवन में धन का महत्व ना होकर ज्ञान का अधिक महत्व है। इसलिए ज्ञान अर्जन करने। वर्कशॉप में

जिला के सभी गांवों में निकलेगी तिरंगा यात्रा

एजेंसी इज्जर। जिला में ग्राम पंचायत स्तर पर तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम स्तर पर यात्रा का नेतृत्व ग्राम सरपंच और खंड स्तर पर पंचायत समिति के चेयरमैन कर रहे हैं। यह जानकारी एडीसी सलौनी शर्मा ने मुख्यमंत्री हरियाणा के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल की वीसी उपासना अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि

राष्ट्रीय ध्वज हम सबका गौरव है, हर व्यक्ति इस यात्रा में बढ़ चढ़कर



भागोदार बनें। एडीसी ने कहा कि जिला इज्जर के सभी गांवों में यह तिरंगा यात्रा सार्वजनिक स्थल से शुरू होकर शहीद स्मारक पर समाप्त होगी, जिसमें कर्मचारी, महिला एवं बाल

राज्यपाल ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश में 1700 सीए थे, जो कि आज 60 लाख से अधिक हो गए हैं। यह संकेत है कि

आयकर की आवक 7 लाख 20 हजार करोड़ रुपये थी, अब वर्ष 2023-24 में यह बढ़कर 19 लाख 50 हजार करोड़ रुपये हो गई है। कर संग्रह में चार्टर्ड अकाउंटेंट का बड़ा योगदान रहता है। सीए की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को उन्होंने कहा कि जीवन में धन का महत्व ना होकर ज्ञान का अधिक महत्व है। इसलिए ज्ञान अर्जन करने। वर्कशॉप में

आज देश में सिरमौर मानी जाती है। हमारे 42 हजार सीए देश-विदेश में नामी कंपनियों के उच्च पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के उप कुलपति डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि ककरोला में युनिवर्सिटी का नया कैम्पस बन रहा है। वहां कक्षाएं लगनी शुरू हो चुकी हैं। भाजपा व्यापार प्रकौट के प्रदेश संयोजक एवं केनविन फाउंडेशन के सह-संस्थापक नवीन गौयल ने कहा कि इस वर्कशॉप से सीए के विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के लिए बेहतर मार्गदर्शन मिल सकेगा। गुरुग्राम में आईसीएआई पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान जैसे समाजसेवी कार्यों में भी समय-समय पर सहयोग करती है। इस अवसर पर आईसीएआई के पदाधिकारी प्रमोद जैन, जितेंद्र शर्मा, अमित किटानिया, नवीन गर्ग, जितेंद्र शर्मा, विवेक सिंह आदि शामिल थे। समारोह में गणेश वंदना, हरियाणवी लोकनृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

मुख्यमंत्री ने पटौदी विधानसभा को दी कई सौगात

एजेंसी गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पटौदी विधानसभा वासियों को बड़ी सौगातें दी। उन्होंने लगभग 184 करोड़ रुपये की 87 परियोजनाओं का उद्घाटन व

आशीर्वाद रैली में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने क्षेत्र को सौगातें देने के क्रम में गांव माजरी में



3.50 करोड़ रुपये की लागत से पोलिटेक्निक कॉलेज खोलने, पटौदी-फरुखपुर जौन को लो पोटेंशियल जौन से मीडियम पोटेंशियल जौन घोषित करने तथा लोक निर्माण विभाग की सड़कों के सुधारीकरण के लिए 2.5 करोड़ रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में बिजली की समस्या का निराकरण करते हुए गांव सिवाड़ी, गांव जसात व दौलातबाद में 20.50

करोड़ रुपये की लागत से 33-33 केवी के पावर हाउस बनाने की भी घोषणा की। इसके अलावा, मानेसर

चैक करवाने उपरांत उन्हें पूरा करवाने की घोषणा की। सरकार प्रदेश में विकास कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री संजय सिंह ने कहा कि केंद्र व हरियाणा की सरकार खिलाड़ियों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पेरिस ओलंपिक्स में पदक जीतने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों के लिए 17 अगस्त को सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जन आशीर्वाद रैली के संयोजक एवं पटौदी के विधायक सरयपकाश जरावत ने कहा कि विगत 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पटौदी विधानसभा में विकास कार्यों को नई गति देने का काम किया है। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव, पूर्व सांसद अशोक तंवर, भाजपा के प्रदेश महासचिव सुरेंद्र पुनिया, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव, पूर्व विधायक बिमला चौधरी, पटौदी विधानसभा प्रभारी मनोज शर्मा, विधानसभा संयोजक सुंदर लाल यादव सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

अपनी मांगों का पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन उनकी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। मजबूरन उन्हें हड़ताल का निर्णय लेना पड़ा है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को एनएचएम की तर्ज पर सर्विस बायलांस देने, अन्य राज्यों

की तर्ज पर राज्य हिस्सा देने, पुरानी पड़ोस (2017-18) की शर्तों को लागू करने आदि मांगों पर एड्स राज्य संगठन ने समय-समय पर विभाग को अवगत करवा चुकी है लेकिन विभाग और सरकार द्वारा अभी तक कोई ठोस संतोषजनक

आदमपुर के विकास कार्यों को और तेज किया जाएगा : भव्य बिशनोई

एजेंसी हिंसा। विधायक एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिशनोई ने कहा है कि आदमपुर क्षेत्र की समस्याएं दूर करवाकर क्षेत्रवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है। विधायक बनने के बाद से उन्होंने यही प्रयास किए हैं और इसमें काफी हद तक सफलता भी मिली है।

भव्य बिशनोई हलके के विभिन्न गांवों में विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास कार्यक्रमों में ग्रामीणों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने सांसद को 19.15 लाख रुपये की लागत से बनने वाली डिजिटल लाइब्रेरी, गांव महलसरा में महलसरा पुल से अमर सिंह की ढाणी तक 42.66 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पक्के रास्ते के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया तथा खैरपुर में 15 लाख की लागत से बने हनुमान मंदिर चौक का उद्घाटन किया। इससे पूर्व उन्होंने आदमपुर अनाज मंडी कार्यालय में लोगों को पूरा करवाने में वे सफल रहे हैं। लगभग

800 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रगति पर हैं, जिनमें से ज्यादातर पूरे ही हो चुके हैं। मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से हलके में विकास की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।



उन्होंने कहा कि भाजपा ही राज्य के हर क्षेत्र का विकास और हर वर्ग का उन्नयन कर सकती है, जिस प्रकार से बहुत ही कम समय में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपनी कार्यप्रणाली से किसानों, कर्मचारियों, युवाओं सहित हर वर्ग के कार्य करके वाहवाही बटोरी है, उससे साफ है कि राज्य में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

सीएमओ कार्यालय के सामने एनएचएम कर्मियों ने की भूख हड़ताल

जौंद। स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी सांडा मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को 16वें दिनां यात्रा के उपरांत विभाग में तिरंगा यात्रा के आयोजन के दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाए। एडीसी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तिरंगा यात्रा के उपरांत विभाग प्रभात

एनएचएम कर्मियों ने सीएमओ कार्यालय के सामने धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पांच कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठे जिनमें डॉ. विवेक गुप्ता, दीपक कुमार, नरेश, डॉ. विजयपाल, डॉ. मोहन वंशेश शाहिल हैं। धरने की अध्यक्षता सुनील सैनी फैरल ट्रांसपोर्ट ऑपरटर ने की जबकि मंच संचालन योगेश इंस्पटी व नवीन बड्डाला ने की।

अपना नाम बदलें

It is for general information that I, ANJALI SHARMA S/O PREM KUMAR SHARMA, R/O Gali No. 2, Fafana Road, Janta Colony, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, declare that name of my Mother has been wrongly written as ANJALI SHARMA in my 10th, 12th Class Educational Documents and in my Bachelor of Ayurvedic medicine and surgery (BAMS) Degree. The actual name of my Mother is INDRA Respectively, which may be amended accordingly.

हरियाणा स्टेट एड्स कर्मचारियों की हड़ताल नौवें दिन भी रही जारी

एजेंसी जौंद। हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल वेलफेयर इम्प्रूवमेंट सोसायटी के आह्वान पर कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल नौवें दिन भी जारी रखी। हड़ताल कंट्रोल कर्मचारी सीएमओ कार्यालय के

सामने पार्क में प्रधान संदीप श्योकंद, अरूण के नेतृत्व में एकत्रित हुए और सरकार द्वारा मांगें न माने जाने पर रोष जताते हुए नारेबाजी की। जिला प्रधान संदीप श्योकंद ने कहा कि हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल कर्मचारी पिछले काफी समय से

अपनी मांगों का पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन उनकी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। मजबूरन उन्हें हड़ताल का निर्णय लेना पड़ा है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को एनएचएम की तर्ज पर सर्विस बायलांस देने, अन्य राज्यों

की तर्ज पर राज्य हिस्सा देने, पुरानी पड़ोस (2017-18) की शर्तों को लागू करने आदि मांगों पर एड्स राज्य संगठन ने समय-समय पर विभाग को अवगत करवा चुकी है लेकिन विभाग और सरकार द्वारा अभी तक कोई ठोस संतोषजनक



कदम नहीं उठाया गया है। जिसके चलते उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का मजबूर होना पड़ रहा है। आगामी पांच अगस्त को राज्य मुख्यालय पंचकुला के समक्ष कर्मियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल कर धरना व प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को एड्स कंट्रोल कर्मियों को हड़ताल के चलते एड्स बीमारों से संबंधित और हर वर्ग को हटाओ और न ही एड्स रोगियों को हटाओ द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल कर धरना व प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को एड्स कंट्रोल कर्मियों को हड़ताल के चलते एड्स बीमारों से संबंधित और हर वर्ग को हटाओ और न ही एड्स रोगियों को हटाओ द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल कर धरना व प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को एड्स कंट्रोल

कर्मियों को हड़ताल के चलते एड्स बीमारों से संबंधित और हर वर्ग को हटाओ और न ही एड्स रोगियों को हटाओ द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल कर धरना व प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को एड्स कंट्रोल

अस्पताल पहुंचते तो उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके अलावा किसी भी आप्रेशन या डिलीवरी से पहले एड्स जांच को अनिवार्य किया गया है। ऐसे में कर्मियों की हड़ताल के चलते एड्स जांच का कार्य भी प्रभावित हुआ।

डिजिटल लेन-देन में धोखाधड़ी से निपटने में तकनीकी महत्वपूर्ण : कैशाफ्री पेमेंट्स

एजेंसी मुंबई। डिजिटल भुगतान सेवा क्षेत्र की फर्म कैशाफ्री पेमेंट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं सह-संस्थापक आकाश सिन्हा ने डिजिटल लेन-देन प्रणाली को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए तकनीकी आधारित और नवप्रवर्तक उपाय अपनाए जाने पर बल दिया है। श्री सिन्हा ने एक नोट में कहा है, आज, व्यवसायों को फ्रांज से संबंधित नुकसान से बचाने और ग्राहकों का विश्वास बढ़ाने के लिए सुरक्षित भुगतान समाधान की जरूरत है। उन्नत समाधान भारत में ऑनलाइन लेन-देन के लिए सुरक्षा ढांचे को बदल रहे हैं और कारोबारियों को बेजोड़ सुरक्षा तथा मन की शांति प्रदान कर रहे हैं। कैशाफ्री पेमेंट्स ने साइबर क्राइम से निपटने के लिए व्यवसायों को व्यापक जाँचिम प्रबंधन समाधान प्रदान करने के संबंध में शोध के जरिये 'रिस्कशील्ड' तैयार किया है। कंपनी का दावा है कि उन्नत कृत्रिम अस्मृचना (एआई) और एप्पल एन्योरिडम के जरिये रिस्कशील्ड व्यवसायों को धोखाधड़ी वाली गतिविधियों को 40 प्रतिशत तक कम करने में मदद करता है।

श्री सिन्हा को राय में आज के डिजिटल परिवर्तन में, धोखाधड़ी वाले लेनदेन से सुरक्षा को प्राथमिकता देना, कंपनियों के लिए वित्तीय नुकसान से बचने और अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए महत्वपूर्ण है। एआई और एप्पल एन्योरिडम का उपयोग करने वाले तकनीकी आधारित नवाचार का लाभ उठाने से धोखाधड़ी से काफी हद तक सुरक्षित बचा जा सकता है।

धानुका एग्रीटेक के टॉप मैनेजमेंट में बदलाव; चेयरमैन ने उत्तराधिकारी को पद सौंपा

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी कृषिसायन कंपनियों में गिनी जाने वाली धानुका एग्रीटेक ने बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की है। इसके अंतर्गत उद्योग जगत के दिग्गज डॉ. आर. जी. अग्रवाल ने योजनाबद्ध नेतृत्व परिवर्तन के तहत 75 वर्ष की आयु पूरी होने पर चेयरमैन पद छोड़ दिया है। तुरंत प्रभाव से श्री एम. के. धानुका को चेयरमैन और श्री रहनुम धानुका को प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) नियुक्त किया गया है। इससे पहले श्री एम. के. धानुका कंपनी के वाईस-चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, और श्री रहनुम धानुका संयुक्त प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल रहे थे। डॉ. आर. जी. अग्रवाल ने एक गौरवशाली करियर के दौरान धानुका एग्रीटेक को एक अग्रणी कृषि रसायन कंपनी बनाने में महती भूमिका निभाई। स्थापना से लेकर अब तक कंपनी की गौरवपूर्ण यात्रा में अनूत्यु योगदान के उपलक्ष्य में कंपनी के बोर्ड ने डॉ. अग्रवाल को 'मानद चेयरमैन' बनाया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से स्नातक डॉ. आर. जी. अग्रवाल ने अपने जीवन के 55 वर्ष भारत के कृषि क्षेत्र को समर्पित किये हैं। वर्ष 1968 में स्नातक करने के बाद उन्होंने अपने करियर की शुरुआत कृषि-इनपुट इंडस्ट्री से की। उनके दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व के अंतर्गत ही एक बीमारू कंपनी का अर्धशुद्ध कर 1980 में धानुका एग्रीटेक की स्थापना की गई, जहां से एक अग्रणी कृषिसायन कंपनी के तौर पर धानुका की प्रगति यात्रा शुरू हुई।

किआ ने 10 लाख घरेलू बिक्री का आंकड़ा छुआ

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में पांच वर्ष से काम कर रही यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने घरेलू बाजार में 10 लाख वाहनों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने यह जारी बयान में कहा कि यह उपलब्धि 59 महीनों के भीतर हासिल की है। कंपनी के प्रमुख मॉडल किआ सेल्टोस ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है, जो कंपनी की कुल घरेलू बिक्री का 48 प्रतिशत से अधिक योगदान करता है। सेल्टोस के बाद सेनोए और कैरेस क्रमशः कंपनी की कुल घरेलू बिक्री में 34 प्रतिशत और 16 प्रतिशत का योगदान करते हैं। उसने कहा कि 2019 में लॉन्च होने के बाद कंपनी ने अपने तकनीक और अत्याधुनिक डिजाइन के साथ भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में क्रांति ला दी जिससे यह देश में सबसे महत्वकांक्षी कार ब्रांडों में से एक बन गया।

एनविजन विंड पावर टेक करेगी ब्लूलीफ एनर्जी को टर्बाइन

नई दिल्ली। एनविजन विंड पावर टेकनोलॉजी इंडिया ने कहा कि उसने ब्लूलीफ एनर्जी के साथ मध्य प्रदेश में 5.63.3 मेगावाट टर्बाइन की आपूर्ति का अनुबंध किया है। एनविजन विंड पावर टेकनोलॉजी इंडिया प्रिवाट लिमिटेड को विज्ञान के अनुसार ब्लूलीफ एनर्जी मध्य प्रदेश में एक ही स्थान पर पवन-सह-सौर ऊर्जा वाली हब्रिड विद्युत परियोजना स्थापित कर रही है। इसका कार्य इसी वर्ष शुरू होगा है और अगले साल इसके पूरा होने की उम्मीद है। ब्लूलीफ एनर्जी के मुख्य परिचालन अधिकारी अमीर रोथ-डेव्लोप ने इस कारगर पर कहा, इस परियोजना में ब्लूलीफ एनर्जी की अभिनव प्रौद्योगिकी शामिल की जा रही है। पवन और सौर ऊर्जा को मिलाकर और उनकी बिजली उत्पादन सुविधाओं को एक साथ रखकर, हमारा संयुक्त दिन-रात स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा, जिससे ग्रिड के विस्तार की जरूरत कम होगी और ऊर्जा की सामान्य लागत का स्तर कम होगा। एनविजन विंड पावर टेकनोलॉजी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आर पी.वी. प्रसाद ने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम ब्लूलीफ एनर्जी के साथ साझेदारी करके मध्य प्रदेश में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाओं का लाभ उठाएंगे।

यूट्यूब की पूर्व सीईओ सुजैन वोज्स्की का 56 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी नई दिल्ली। ऑनलाइन वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब की पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुजैन वोज्स्की का सुबह निधन हो गया। वो पिछले दो साल से फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित थीं। उनकी उम्र महज 56 साल थी। उनके पति डेनिस ट्रोपर ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 'एक?' पोस्ट पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सुजैन वोज्स्की गूगल के इतिहास में केंद्र में थीं। यह वही महिला हैं, जिन्होंने गूगल के फाउंडर्स को ऑफिस खोलने के लिए अपने घर का हिस्सा किराए पर दे दिया था। उन्होंने लगभग 10 साल के कार्यकाल में यूट्यूब को सिंगल बिगरेट वीडियो प्लेटफॉर्म बनाकर दिखाया। सुंदर पिचाई ने अपने पोस्ट में लिखा है कि कैंसर से पीड़ित दो साल के बाद में अपनी



प्रिय मित्र सुजैन वोज्स्की को खोकर अविश्वसनीय रूप से दुखी हूँ। वह गूगल के इतिहास में किसी भी अन्य कर रहे हैं। हम उन्हें बहुत याद करेंगे। उनके परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि

यूट्यूब एक अमेरिकी ऑनलाइन वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका स्वामित्व गूगल के पास है। गूगल एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी है। य कंपनी इंटरनेट पर आधारित कई सेवाएं और उत्पाद को बनाता तथा विकसित करता है।

बांग्लादेश हिंसा से गुजरात के मसाला व कपड़ा उद्योग को हजारों करोड़ का नुकसान

एजेंसी मुंबई। बांग्लादेश में अराजकता व हिंसक माहौल के बीच गुजरात के लिए व्यापार-उद्योग को हजारों करोड़ रुपये के नुकसान होने की आशंका है। खासकर गुजरात के मसाला और टेक्सटाइल उद्योग को बड़ा झटका लगा है। गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में मसाला बांग्लादेश निर्यात किया जाता है। वहीं, सूत से तैयार फैब्रिक्स भी बड़ी मात्रा में कोलकाता व मुंबई होते हुए बांग्लादेश जाते हैं, जहां इस्का इस्तेमाल वहाँ के गार्मेंट इंडस्ट्रीज में किया जाता है।



भारत और बांग्लादेश के बीच 16 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। इसमें 13-14 बिलियन डॉलर के विभिन्न वस्तुओं का निर्यात भारत से बांग्लादेश किया जाता है। जबकि महज 2 बिलियन डॉलर की वस्तुओं का बांग्लादेश से भारत आयात किया जाता है। इसमें गुजरात से बड़ी मात्रा में मसाला का निर्यात होता है। वहीं, सूत से टेक्सटाइल फैब्रिक्स का बांग्लादेश निर्यात किया जाता है। व्यापारिक संगठनों से मिली जानकारी के अनुसार सूत से करीब 500 करोड़ रुपये के कपड़े के कारोबार और गुजरात के विभिन्न जिलों से करीब 3000 करोड़ रुपये

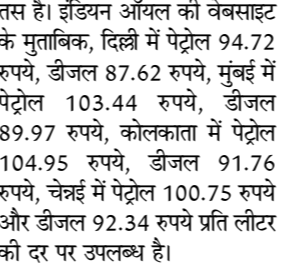
तेलंगाना से बांग्लादेश भेजा जाता है, जबकि जीरा, तिल और इस्बगोल का सर्वाधिक उत्पादन गुजरात में होता है, जिससे गुजरात से हर साल 2500 से 3000 करोड़ रुपये का जीरा, तिल और इस्बगोल बांग्लादेश निर्यात किया जाता है।



अहमदाबाद में भारतीय मसाला निर्यात फेडरेशन के सचिव हिरन गांधी ने बताया कि हर साल भारत का बांग्लादेश के साथ मसाले का कारोबार करीब 9000 करोड़ रुपये का होता है। पिछले कुछ दिनों से निर्यात में काफी गिरावट आई है। 150 से अधिक ट्रक बांग्लादेश के बाहर हो रोक दिए गए हैं। कई दिनों से महाराष्ट्र का सेंट्रल बैंक भी बंद है, इससे ट्रांजिक्शन क्लियरेंस भी नहीं हो रहा है। हाल में सभी आयात-निर्यात बंद हो गया है।

कच्चा तेल प्रति बैरल 79.66 डॉलर के स्तर पर, पेट्रो-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन ब्रेंड क्लूड 0.50 डॉलर यानी 0.63 फीसदी की उछाल के साथ 79.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच चुका है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्लूड 0.65 डॉलर यानी 0.85 फीसदी



तस है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रो 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रो 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रो 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रो 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

ब्याज दरें तय करने के लिए बैंकों को मुारादाबाद से लखनऊ के लिए हवाई सेवा खुली छूट : शक्तिदास दास शुरु, 19 सीटर विमान ने भरी उड़ान

एजेंसी नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिदास दास ने कहा कि ब्याज दरों पर फैसला के लिए बैंक स्वतंत्र हों। बैंक में जमा राशि और कर्ज पर ब्याज दरें नियंत्रण मुक्त कर दी गईं। वे अपनी ब्याज दरें तय करने के लिए स्वतंत्र हों। इस निर्वाह से उन्हें ऐसे उत्पाद को लाने पर जोर देना चाहिए, जिससे जमा राशि को बढ़ाया जा सके। आरबीआई गवर्नर ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ

संशोधन बिल 2024 संसद में पेश कर बैंक अकाउंट और लॉकर में चार बैंक शक्तिदास दास ने कहा कि इस मामले में प्रगति संतोषजनक रही है। बैंक ब्याज दरों की अस्थिरता के सवाल पर दास ने कहा कि बैंक अपनी जमा दरें तय करते हैं। वे अपनी ब्याज दरें भी तय करते हैं। यह स्थिति बैंक दर बैंक अलग-अलग हो सकती है। लेकिन मुझे लगता है कि हमारी वास्तविक ब्याज दरें बहुत अस्थिर नहीं रहें हैं। वे बहुत हद तक स्थिर हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में केंद्रीय बजट पास होने के उपरांत आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल के साथ परंपरागत तौर पर बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सीतारमण के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री पंकज चौधरी, आरबीआई के गवर्नर शक्तिदास दास और केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल के सभी वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

पत्ताइत मिलेगी। बेस फेयर 999 रुपये रुखा गया है। जीएसटी आदि मिलाकर कुल किराया 1348 रुपये है। आनलाइन के अलावा लोग एयरपोर्ट पर आकर भी बुकिंग कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि विगत 10 माच को प्रधानमंत्री मोदी ने मुारादाबाद हवाई अड्डे के साथ प्रदेश के पांच एयरपोर्ट का वचुअल शुभारंभ किया था। इसमें मुारादाबाद के अलावा आजमगढ़, अलीगढ़, चित्रकूट और श्रावस्ती हवाई अड्डे शामिल थे। मुारादाबाद को छोड़कर अन्य जगहों से विमान सेवा की पहले ही शुरुआत हो चुकी है, लेकिन मुारादाबाद में एफएल स्टेशन के कारण पंच अटक गया था। वर्ष 2014 में मुारादाबाद में हवाई अड्डे का निर्माण शुरु हो गया था। यहां से चालिये बीते 10 वर्षों से यहां से हवाई यात्रा का इंतजार कर रहे थे।

जैम पोर्टल ने 9.82 लाख करोड़ रुपये का माइलस्टोन किया पाट : जितिन प्रसाद

एजेंसी नई दिल्ली। सरकारी सरकारी ई-मार्केट प्लेस (जेम) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) दर्ज किया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में एक लिखित उतर में यह जानकारी दी।

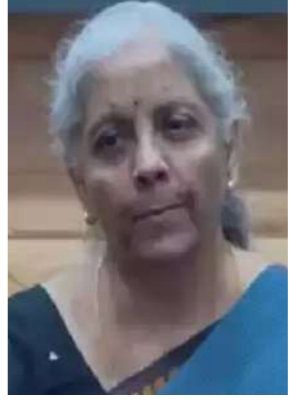
एजेंसी नई दिल्ली। सरकारी सरकारी ई-मार्केट प्लेस (जेम) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) 422 करोड़ रुपये था। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जैम ने 62 लाख से अधिक लेन-देन दर्ज किए। यह भी वित्त वर्ष 2016-17 की तुलना में

करीब 1000 गुना वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही 30 जुलाई, 2024 तक जैम पोर्टल पर कुल लेन-देन 2.26 करोड़ को पार कर गया है। वाणिज्य राज्य मंत्री ने कहा कि जैम पोर्टल पर शुरुआत से अब तक 1.63 लाख से अधिक महिला नेतृत्व वाले एमएसएमई पंजीकृत हो चुके हैं। 30 जुलाई 2024 तक महिला एमएसएमई ने शुरुआत से अब तक 35,138 करोड़ रुपये के ऑर्डर पूरे किए हैं। वरिष्ठपोर्टल पर शुरुआत से अब तक पचवीस हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं। 30 जुलाई 2024 तक स्टार्ट-अप

सीसीडी से जुड़ी कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश

नई दिल्ली। कॉरपोरेट विवाद न्यायाधिकरण एनसीएलटी ने कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है, यह कॉफी डे ग्रुप की मूल कंपनी है जो कैफे कॉफी डे नाम (सीसीडी) की कॉफी स्टॉर्स की शृंखला का संचालन करती है। एनसीएलटी (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) की बेंगलुरु पीठ ने 8 अगस्त को आईडीबीआई ट्रस्टशिप सर्विसेज लिमिटेड (आईडीबीआईटीएसएल) की ओर से दायर याचिका को खींचकर कर लिया। इस याचिका में सीडीईएल पर 228.45 करोड़ रुपये के भूतान में चूकने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में एनसीएलटी ने कर्ज में डूबी कंपनी के संचालन की देखरेख के लिए एक अंतरिम समाधान पेशेवर भी नियुक्त किया। सीडीईएल एक रिस्टॉर् का भी संचालन करती है। इसके साथ ही कंपनी परामर्श सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी कॉफी बिन्स की बिक्री और खरीद का भी कारोबार करती है।

बैंकों को अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देने की जरूरत : सीतारमण



केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सहकारी क्षेत्र विकल्प होना महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित करना है कि बाद में नामांकित व्यक्ति को अपनी सही चीज का दावा करने में कोई कठिनाई न हो...। इस दौरान सीतारमण ने कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपने कोर पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बैंकों को अपने डिपॉजिट को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। अभी बैंकों का डिपॉजिट धीरे चल रहा है।

सर्साफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बड़ी चमक

एजेंसी नई दिल्ली। घरेलू सर्साफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आज करीब 800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण आज देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना 70 हजार रुपये के स्तर को पार करके 70,250 रुपये से लेकर 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 64 हजार रुपये का स्तर पार करके 64,440 रुपये से लेकर 64,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी आज करीब 1,700 रुपये तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्साफा बाजार में चांदी आज 83,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 70,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्साफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलूर, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 70,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह तीन तीनों शहरों के सर्साफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 64,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अहमदाबाद में भारतीय मसाला निर्यात फेडरेशन के सचिव हिरन गांधी ने बताया कि हर साल भारत का बांग्लादेश के साथ मसाले का कारोबार करीब 9000 करोड़ रुपये का होता है। पिछले कुछ दिनों से निर्यात में काफी गिरावट आई है। 150 से अधिक ट्रक बांग्लादेश के बाहर हो रोक दिए गए हैं। कई दिनों से महाराष्ट्र का सेंट्रल बैंक भी बंद है, इससे ट्रांजिक्शन क्लियरेंस भी नहीं हो रहा है। हाल में सभी आयात-निर्यात बंद हो गया है।

उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी नई दिल्ली। मिडिल इस्ट में जारी पोलिटिकल टेंशन, अमेरिका में मंदी की आशंका और भारतीय कंपनियों के मिले-जुले तिमाही परिणामों के कारण पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। इस कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का



सेसेक्स 1,276.04 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,705.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने 350.20 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,367.50 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। सेक्टरल फ्रंट पर भी ज्यादातर सेक्टरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी के

प्रतिबद्धता है। आने वाले दिनों में जिले से और शहरों के लिए हवाई सेवा की शुरुआत होगी। हवाई अड्डा प्राधिकरण की प्रतिबद्धता है। आने वाले दिनों में जिले से और शहरों के लिए हवाई सेवा की शुरुआत होगी। हवाई अड्डा प्राधिकरण

सावधान! अगर भूख लग रही है कम और तेजी से झड़ रहे हैं बाल, तो शरीर में ज़िंक की कमी बताते हैं ये लक्षण



ज़िंक (Zinc) हमारे सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है। यह एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जो शरीर में कई अहम कार्य करता है। हालांकि खानपान में लापरवाही या गलत आदतों की वजह से अक्सर शरीर में इस जरूरी न्यूट्रिएंट की कमी (zinc deficiency symptoms) होने लगती है जिससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में शरीर में इसकी कमी होने पर कई लक्षण नजर आते हैं।

हमारे शरीर में मौजूद सभी पोषक तत्व हमें सेहतमंद बनाने में मदद करते हैं। अलग-अलग तरह के यह पोषक तत्व हमारे शरीर के विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यह वजह है कि डॉक्टर भी हमेशा सतुलित आहार लेने की सलाह देते हैं। ज़िंक (Zinc) इन्हीं जरूरी पोषक तत्वों में से एक है, जो हमारे हेल्दी रहने में मदद करता है। एक व्यक्ति के शरीर प्रतिदिन 8-10 मिलीग्राम ज़िंक की जरूरत होती है, जो विभिन्न बाँधी फ़ंक्शन में मदद करता है और इसकी कमी से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं ज़िंक की कमी (zinc deficiency) से नज़र आने वाले प्रमुख लक्षण-

बालों का झड़ना

ज़िंक की कमी के कारण बाल पतले हो सकते हैं और बाल झड़ सकते हैं, क्योंकि यह डीएनए और आरएनए प्रोडक्शन के लिए जरूरी है, जो बालों के पोर्स के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। शरीर में पर्याप्त ज़िंक के बिना, बालों का विकास रुक सकता है या बाल समय से पहले झड़ सकते हैं।

त्वचा संबंधी समस्याएं

ज़िंक की कमी से त्वचा पर चकते, मुंहासे समेत अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। किन हेल्थ को बनाए रखने के लिए ज़िंक काभी महत्वपूर्ण होता है और इसकी कमी से किन सेल्स के सामान्य काम और रिपेयरिंग में रुकावट आ सकती है।

बार-बार इन्फ़ेक्शन होना

शरीर में ज़िंक की कमी होने पर इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है, जिससे बार-बार इन्फ़ेक्शन की समस्याएं होती हैं। ज़िंक इम्यूनिटी सेल फ़ंक्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और शरीर में इसका स्तर कम होने पर शरीर के लिए बैक्टीरिया और वायरस से लड़ना मुश्किल हो सकता है।

भूख में कमी

शरीर में ज़िंक की कमी होने पर भूख कम लग रही है, तो यह संकेत है कि आपके शरीर में ज़िंक का स्तर कम हो गया है। ज़िंक का लेवल कम होने से स्वाद और गंध का अहसास खराब हो सकता है, जिससे भूख कम हो सकती है।

घाव का धीरे-धीरे ठीक होना

ज़िंक सेल डिविजन और प्रोटीन सिंथेसिस के लिए जरूरी है, जो घाव भरने के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में इसकी कमी होने से घाव भरने में लंबा समय लग सकता है और घावों में संक्रमण की संभावना बढ़ सकती है।

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक भोजन जरूरी



मेडागास्कर पद्धति की खास बात यह है कि इसमें बीज कम लगता है, पानी कम लगता है और उत्पादन अधिक होता है। हाथ से चलाने वाले बीज से निर्दाई की जा सकती है। इस पद्धति में खेत में पानी भरकर रखना जरूरी नहीं है। खेत में पानी नहीं रहने पर मिट्टी में वायु संचार होता है जिससे पौधा स्वस्थ और मजबूत होता है। फलस्वरूप पौधे में ज्यादा कंस निकलते हैं और बालियां भी अधिक लगती हैं। यानी उत्पादन ज्यादा होता है। इस पद्धति को अफ्रीकी देश मेडागास्कर में ईजाद किया गया था।

हाल ही में मेरा छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के गिनियारी कस्बे में जाना हुआ। वहाँ स्वास्थ्य का अनूठा काम हो रहा है। यह न केवल इलाज व दवाओं से संभव है, बल्कि अच्छी सेहत के लिए अच्छा भोजन भी जरूरी है। इसके लिए जैविक खेती पर भी जोर दिया जा रहा है। आज के इस कॉलेज में इस पर चर्चा करना उचित होगा। गिनियारी के जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था है। इस संस्था का काम वर्ष 1999 में इस जिले में स्वास्थ्य पर शुरू हुआ। देश की मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं की हालत से चिंतित दिल्ली के कुछ मेधावी छात्रों ने इसकी शुरुआत की थी। इस संस्था ने एक अध्ययन के दौरान यह पाया कि ज्यादातर बीमारियों का संबंध कुपोषण से है, तबसे संस्था ने अपना कृषि कार्यक्रम शुरू किया। जन स्वास्थ्य सहयोग ने उनकी एक डेढ़ एकड़ की भाटा (कमजोर) ज़मीन पर बिना रासायनिक वाली जैविक खेती शुरूआत की, जो अब साढ़े चार एकड़ में फैल चुकी है। यहाँ धान की 450 किस्में संग्रहीत हैं जिनमें 65 सुगांधित, 30 लाल चावल वाली, 40 जल्द फलने वाली, 2 किस्में काले चावल की। और बाकी 110-115 दिन की मध्यम अवधि में फलने वाली किस्में हैं। इसके अलावा, मडिया की 6, कांग 2, ज्वार 1, मक्का 2 और अरहर की 9 किस्में हैं। चना, अलसी, कुसुम, मटर, भिंडी, उड़द आदि देशी किस्में भी हैं। रंग-बिरंगे देशी बीज न केवल सौंदर्य से भरपूर हैं बल्कि स्वाद में भी बेजोड़ हैं। औषधि गुणों से सम्पन्न हैं और स्थानीय मिट्टी पानी और हवा के अनुकूल हैं। आखिर मनुष्य ने ही जंगलों से तरह-तरह की फसलों के गुणधर्मों की पहचान कर खेतों में उन्हें उगाया है। इसी के परिणामस्वरूप आज हम बीजों के मामले में समृद्ध है। गिनियारी में एक-दो डिसेमिल की छोटी-छोटी च्यारियों में देशी धान का प्रयोग करीब डेढ़ दशक से चल रहा है। मैं कई बार इस फार्म को देख चुका हूँ और इसके प्रमुख कार्यकर्ता होम प्रकाश से चर्चा की है। होम प्रकाश ने बताया कि धान की कई किस्में हैं जिनमें हरून जमान 70 से 100 दिन वाली, मध्यम 100 से 120 दिन वाली और गहरून 120 से 145 दिन वाली है। जो अलग-अलग किस्म की मिट्टी वाली ज़मीन में होती हैं। उन्हींने बताया कि धान की नई मेडागास्कर पद्धति के प्रयोग हमने देशी धान बीजों से किए जिसमें उत्पादन औसत धान से दोगुना तक पाया गया। यहाँ जैविक तरीके से देशी

धान (मोटा) 25 से 30 क्विंटल प्रति एकड़ और सुगांधित धान 20-25 क्विंटल प्रति एकड़ तक उत्पादन पाया गया है। मेडागास्कर पद्धति की खास बात यह है कि इसमें बीज कम लगता है, पानी कम लगता है और उत्पादन अधिक होता है। हाथ से चलाने वाले बीज से निर्दाई की जा सकती है। इस पद्धति में खेत में पानी भरकर रखना जरूरी नहीं है। खेत में पानी नहीं रहने पर मिट्टी में वायु संचार होता है जिससे पौधा स्वस्थ और मजबूत होता है। फलस्वरूप पौधे में ज्यादा कंस निकलते हैं और बालियां भी अधिक लगती हैं। यानी उत्पादन ज्यादा होता है। इस पद्धति को अफ्रीकी देश मेडागास्कर में ईजाद किया गया था।

वे आगे बताते हैं कि यह अरहर उत्तरप्रदेश से आई है, मडिया बस्तर से। कुसुम से तेल निकलता है और काबूली चना का दाना बड़ा होता है। धान की कई किस्में सुगांधित हैं और कई बिना पानी वाली। मुगलानी (राजगिर) पौष्टिक होता है और ज्वार की रोटी हजम के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है।

हाल ही में उन्होंने पानी की कमी को देखते हुए एक दिन में कुआँ खोद डाला और जन पानी हो गया तो गाय खरीद ली। उनके खेत में थोड़ा ढलान है और आसपास तालाब भी है, इसलिए पानी बहुत उथले में निकल आता है। कुछ समय पहले गोबर गैस प्लांट भी लगाया है। यह बहुत छोटा है, और घर की गाय के गोबर से ही चलता है। इससे बल्ब और रसोई गैस की जरूरत भी पूरी हो जाती है। मैंने यहाँ घूमते-घूमते एक नजर खेत पर डाली। मेड़ पर अरहर के पौधे लहलहा रहे थे। बेर के पेड़ों के नीचे बच्चे खेल रहे थे, एक खेत में सब्जियाँ लगी थीं। मूली, टमाटर, धनिया, मिर्ची, बरबटी, प्याज और भिंडी। होमप्रकाश बताते हैं कि खेती के लिए ज़मीन का स्वास्थ्य भी सुधारना जरूरी है। रासायनिक खेती के कारण ज़मीन

की उर्वरा शक्ति कमजोर होती जा रही है और उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु खत्म होते जा रहे हैं। बेजा रासायनिक खाद के इस्तेमाल से ज़मीन सख्त होती जा रही है। भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए मिश्रित फसलों को खेतों में बोया जाता है। यह परंपरागत तरीका है। इसके अलावा, हरी खाद ढनढनी, सन, सोल, चरौरा को भी बोकर फिर मिट्टी में सड़ा दिया जाता है, जिससे ज़मीन उत्तरोत्तर उर्वर बनती जाती है। उन्होंने बताया कि इस भाटा कमजोर ज़मीन को हरी खाद से ही उर्वर बनाया है। कोटा के पास फूलवारीपाड़ा नामक गाँव में डबरी निर्माण का काम किया गया है, जिससे आदिवासी किसान सब्जी बाड़ी लगाते हैं। और खुद भी हरी सब्जी खाते हैं और अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं, जिससे उनकी आमदनी हो जाती है। आदिवासी किसान सब्जी बाड़ी लगाते हैं। और खुद भी हरी सब्जी खाते हैं और अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं, जिससे उनकी आमदनी हो जाती है। आदिवासी किसान सब्जी बाड़ी लगाते हैं। और खुद भी हरी सब्जी खाते हैं और अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं, जिससे उनकी आमदनी हो जाती है।

किसान कार्यकर्ता भुवन सिंह ने बताया कि धान की रासायनिक खेती में प्रति एकड़ 5-6 हजार रूपए लागत आती है और जैविक खेती में एक से डेढ़ हजार रूपए। जबकि उत्पादन दोगुना मिलता है। अगर मेड़ पर पौधे लगाएँ तो इससे हमें लकड़ी, फल, शुद्ध हवा, और ज़मीन को पानी सब कुछ मिलेगा। इस संस्था का एक पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम भी चल रहा है। इसमें गाँव के ही कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर मवेशियों का टीकाकरण और छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज किया जाता है। दवाओं भी स्थानीय जड़ी-बूटियों से बनाई जाती हैं। कुछ दवाएँ जरूरत पड़ने पर खरीदी भी जाती हैं। संस्था की इस पहल से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होता है, और लोगों की आमदनी में भी इज़ाफा होता है। खेती और पशुपालन का अटूट रिश्ता है। छत्तीसगढ़ में पशुपालन को बहुत ही अच्छी

परंपरा है। खेती और पशुओं के साथ कई तीज-त्योहार जुड़े हैं। पोला बैलों का त्योहार है। इस दिन उनकी पूजा होता है। अंकित त्योहार भी खेती से जुड़ा है। दीपावली और होली भी लेकिन आधुनिक व रासायनिक खेती के कारण यह बरसों पुराना परंपराएं कमजोर हो रही हैं। खेत व बैल का रिश्ता भी टूट रहा है। इसका नतीजा हो रहा है कि मवेशी सड़कों पर घूम रहे हैं। पिछले कुछ सालों से न केवल छत्तीसगढ़ में बल्कि देश भर में जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, परंपरागत खेती का चलन बढ़ रहा है। इसमें देशी बीज, गोबर खाद, केचूआ खाद, जैव कीटनाशक का इस्तेमाल किया जाता है। क्योंकि रासायनिक खेती के दुष्परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आ गए हैं। इसलिए किसानों का भी रुझान इस ओर बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ की यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ सालों से यहाँ सघन धान की खेती को बढ़ावा मिल रहा है। अन्य मिश्रित फसलों को छोड़कर ही है। जबकि मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मिश्रित फसलों का होना जरूरी है। जबकि रासायनिक खेती में मिट्टी और पानी जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। और यह खेती स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर डालती है।

कुल मिलाकर, यह कह जा सकता है कि यह प्रयोग अनुकूल है, छत्तीसगढ़ में एक मीन क्रांति की तरह है जो सराहनीय होने के साथ अनुकूलणीय है। अच्छी सेहत के लिए अच्छा भोजन जरूरी है। और स्वास्थ्य भोजन के लिए जैविक खेती, जो देशी बीजों, गोबर खाद व लैंड-बैल की खेती से होती है, वह जरूरी है। इस तरह की खेती से मिट्टी, पानी और पर्यावरण का संरक्षण के साथ छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति भी बचेगी। जैव विविधता के साथ आजीविका का भी संरक्षण होगा।

संपादकीय

चमकदार कांस्य पदक

पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगट के साथ हुए अभियंताओं के आहत भारतीयों के टूट दिनों पर हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर महान हो गया है। हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक देश के नाम किया। टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में भी हॉकी का कांस्य पदक भारत की झोली में डाला। टीम की दृढ़ता व टीम भावना के चलते यह कामयाबी मिली है। अपने इस परंपरागत खेल से भारतीयों का भावनात्मक लगाव सदैव रहा है, जिसको भारतीय टीम ने संबल ही दिया। निस्सन्देह, इससे हॉकी की लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने मजबूत टीमों को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। हालांकि, वह अपने एक मजबूत खिलाड़ी की अनुपस्थिति में सेमीफाइनल में जर्मनी से हार गई थी। लेकिन कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी टीम से खेल प्रेमियों ने कहा कि यह उपलब्धि सोने की चमक से कम नहीं है। हालांकि एक समय था कि अंतिम मुकाबले में स्पेन एक शून्य की बढ़त लिए हुए था, लेकिन भारतीय टीम

ने न केवल खेल में वापसी की बल्कि स्पेन को 2-1 से हराया भी। उल्लेखनीय है कि भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक के अंतिम मुकाबले में कप्तान हसनप्रत सिंह ने कप्तान वाली पारी खेली। उन्होंने पेनल्टी कॉन्कर से गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर दूसरे गोल से प्रतिपक्षी टीम पर अजेय बढ़त ले ली। जर्मनी से हुए मुकाबले में जिस फस्ट रश अंततः रोहिदास की कर्मां खली थी, अंतिम मुकाबले में उन्होंने अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज की। उल्लेखनीय है कि ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रोहिदास को रेट कार्ड मिला था। जिसके चलते उन पर एक मैच खेलने का प्रतिबंध लगा था। यही वजह कि जर्मनी के मुकाबले में उनकी कमी टीम को खली थी। कालांतर में भारत ने जर्मनी के खिलाफ मैच 3-2 से गंवाया था।

बहरहाल, पेरिस ओलंपिक के विभिन्न मुकाबलों में सशक्त नजर आ रही टीम जर्मनी के साथ सेमीफाइनल में मिली शिकस्त के बाद स्वर्णिम सफलता से वंचित हो गई। हालांकि, ओलंपिक में तेरह

पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का अतीत शानदार रहा है। खासकर हिटलर की उपस्थिति वाले बर्लिन ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद के खेल और स्वर्ण पदक की चर्चा गाहे-बगाहे होती रहती है। ओलंपिक के इतिहास में भारत ने आठ स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं। हालांकि, वर्ष 1980 के मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद फिर टीम सुनहरी सफलता से वंचित रही। उसके बाद तो पदकों का सूखा 41 साल बाद टोक्यो ओलंपिक में मिले कांस्य पदक से टूटा। हालांकि, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 52 साल बाद लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने का गौरव हासिल किया है। यद्यपि पेरिस ओलंपिक में मजबूत मानी जा रही टीम टोक्यो ओलंपिक के पदक का रंग नहीं बदल सकी, लेकिन उसकी कामयाबी से परंपरागत भारतीय खेल की प्रतिष्ठा फिर स्थापित हुई। बहरहाल, इस बार रफ स्ट्रेज में मजबूत टीमों की उपस्थिति के बावजूद टीम का प्रदर्शन तीसरे स्थान के मुकाबले तक शानदार ही रहा।

फर्क इतना ही रहा कि जहाँ टोक्यो मुकाबले में भारतीय टीम ने जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीता था, वहीं इस बार जर्मनी से हारकर वह स्वर्ण पदक से दूर हो गई। इस ओलंपिक में आस्ट्रेलिया-ब्रिटेन को हराकर उसकी बड़ी उपलब्धि भी रही। विश्वास किया जाना चाहिए कि 1928 में पहली बार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय हॉकी टीम ने जो स्वर्णिम उपलब्धियाँ हासिल की, निरकट भविष्य में वह उसे जरूर दोहरायेगी। फिर कोई ध्यान चंद जैसा दिग्गज भारतीय टीम को मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर पेरिस ओलंपिक को प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ गोल पोस्ट में चढ़ाने की तरह खड़े रहने वाले सफला गोलकीपर पी.ओ. श्रीजेश की विदाई के रूप में भी याद किया जाएगा। अंतिम मुकाबले में टीम को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाने वाले श्रीजेश ने वही जुनून और जज्बा दिखाया, जो कोई खिलाड़ी अपने पहले मैच में नहीं दिखाता है। उन्होंने स्पेन द्वारा किये गए अधिकांश हमलों को विफल बनाकर टीम की जीत को सुनिश्चित किया।

हिंदुत्व का खेल और राजनीति

भारत से विभाजित होकर इस्लाम के आधार पर पाकिस्तान का निर्माण हुआ। पाकिस्तान बनने के बाद भारत में रह रहे मुसलमानों पर तमाम आक्षेप लगाने लगे। बंटवारे के बाद आरएसएस की ताकत अचानक बढ़ती चली गई। पाकिस्तान से आने वाले हिंदू और सिखों को आरएसएस ने भड़काया। अपनी को खोने और घर-खेत छूट जाने के जख्मों को कुरदकर उनको मुसलमानों पर हमला करने के लिए उकसाया गया। हमलों से डर के कारण दिल्ली के मुसलमानों ने लाल किले में शरण ली। वी.वी. सावरकर ने अपनी किताब 'हिंदुत्व हू इज हिंदू' (1923) में हिंदुत्व के तीन लक्षण बताए हैं- एक राष्ट्र, एक जाति और एक संस्कृति। उनकी नजर में हिन्दू वही है जो 'हिन्दुस्थान' को पितृभूमि ही नहीं पुण्यभूमि भी मानता हो। हिंदुत्व के विचारक सावरकर ने मुसलमानों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को हिंदुत्व का दुश्मन करार दिया। सावरकर द्विराष्ट्रवाद के पहले सिद्धांतकार भी हैं। सावरकर ने 30 सितम्बर 1937 को हिन्दू महासभा के अध्यक्षीय भाषण में कहा कि 'एक प्रमुख राष्ट्र में दो राष्ट्र हैं भारत में हिन्दू और मुस्लिम'। इसके एक साल बाद 1938 में उन्होंने कहा कि हिन्दू राष्ट्र है और मुस्लिम एक अल्पसंख्यक समुदाय है। सावरकर का विचार देश विभाजन ना होकर मुसलमानों को हिंदुओं के अधीन रखने का था। दरअसल, इसी विचार ने विभाजन की बुनियाद पैदा की। सावरकर के अनुसार भारत हिंदुओं का देश है। सावरकर ने अपने पितृभूमि और पुण्यभूमि वाले विचार से बौद्ध, जैन और सिखों को हिंदुओं के भीतर समेट लिया था। वस्तुतः सावरकर बौद्ध, जैन और सिख धर्म को हिन्दू धर्म के सम्प्रदाय मानते हैं, स्वतंत्र धर्म नहीं। इसके अलावा मुसलमान सहित सभी धर्म भारत में अल्पसंख्यक बनकर रहेंगे। यानि उन्हें समान अधिकार नहीं मिलेंगे। इसी वजह से मुसलमानों के मन में भय और पहचान का संकट पैदा हुआ। मोहम्मद अली जिन्ना ने सावरकर के द्विराष्ट्रवाद सिद्धांत के आधार पर हिंदुओं और मुसलमानों को दो अलग कौमों मानते हुए एक स्वतंत्र राष्ट्र की मांग की। परिणामस्वरूप, देश का विभाजन हुआ।

भारत से विभाजित होकर इस्लाम के आधार पर पाकिस्तान का निर्माण हुआ। पाकिस्तान बनने के बाद भारत में रह रहे मुसलमानों पर तमाम आक्षेप लगाने लगे। बंटवारे के बाद आरएसएस की ताकत अचानक बढ़ती चली गई। पाकिस्तान से आने वाले हिंदू और सिखों को आरएसएस ने भड़काया। अपनी को खोने और घर-खेत छूट जाने के जख्मों को कुरदकर उनको मुसलमानों पर हमला करने के लिए उकसाया गया। हमलों से डर के कारण दिल्ली के मुसलमानों ने लाल किले में शरण

ली। लेकिन जवाहरलाल नेहरू भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाने के लिए संकल्पबद्ध थे। 1951-52 का पहला चुनाव नेहरू ने भारत को %पाकिस्तान नहीं बनने देने% के मुद्दे पर लड़ा और बड़ी जीत हासिल की। अल्पसंख्यकों में विश्वास और उचित साझेदारी की भावना पैदा करने के लिए नेहरू ने 29 सितम्बर 1953 और 15 जून 1954 को भेजे गए अपने पत्रों में मुख्यमंत्रियों को संबोधित करते हुए लिखा, %अगर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष, स्थाई और मजबूत राष्ट्र बनाना है तो हमारा पहला काम यह होना चाहिए कि हम अपने अल्पसंख्यकों को बिना भेदभाव के उनका उचित हिस्सा प्रदान करें और इस तरह से उन्हें भारत में पूर्ण रूप से पारिवारिक एहसास दिलाएँ।

विभाजन के समय सांप्रदायिक दंगों को लेकर गांधीजी बेहद चिंतित थे। सीमा-सरहद के इलाकों में हो रहे भीषण नरसंहार को रोकने के लिए गांधी लगातार सक्रिय थे। 15 अगस्त 1947 को जब देश आजादी का जश्न मना रहा था, गांधीजी नोआखली (बंगाल) में मुस्लिम हमलावरों के सामने अपनी जान हेथेली पर लेकर अहिंसा और सद्भाव के लिए संघर्षरत थे। नोआखली के मुस्लिम हमलावरों ने गांधी के पैरों पर अपने हथियार डाल दिए और माफी मांगी। लेकिन एक कट्टरपंथी हिंदू ने 78 साल के बूढ़े गांधी के पैर फूँकर उनके सीने में तीन गोलियाँ उतार दीं। गांधी की हत्या के कारण कुछ समय के लिए आरएसएस पृष्ठभूमि में चला गया। लेकिन नेहरू इन ताकतों को बखूबी समझते थे। 1959 में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि %ध्यान रखिए, भारत को खतरा साम्यवाद से नहीं है, बल्कि हिन्दू दक्षिणपंथी साम्प्रदायिकता से है।% 1960 के दशक में पुनः सांप्रदायिक दंगे शुरू हो गए। 1980 के दशक में शुरू हुए राम मंदिर आंदोलन ने मुसलमानों के खिलाफ नफरत का गुबार पैदा किया।

राममंदिर आंदोलन में खुलेआम साम्प्रदायिकता फैलाई गई। 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गया। इसके बाद देशभर में सांप्रदायिक दंगे हुए, जिनमें हजारों लोग मारे गए। नरने वालों में अधिकांश मुसलमान थे। पॉल रिचर्ड ब्रॉस ने भारत में सांप्रदायिक हिंसा पर गहन अध्ययन किया है। 2004 में उनकी किताब प्रकाशित हुई, जिसका शीर्षक है- %द प्रोडक्शन आफ हिन्दू-मुस्लिम वायलेंस इन



कटपेरि इंडिया%। पॉल ब्रॉस का कहना है कि भारत में %दगे भड़काने की एक संस्थागत प्रणाली है%। तीन चरणों में दंग भड़काने की कार्यवाई की जाती है। पॉल ब्रॉस का निष्कर्ष है कि चुनाव व चुनाव साम्प्रदायिक दंगों का फायदा दक्षिणपंथी भाजपा को हुआ। साम्प्रदायिक दंगों के कारण मुसलमान बहुत असुरक्षित महसूस करने लगे। 1990 का दशक अल्पसंख्यकों के दमन का काल है। इस दशक में ईसाई अल्पसंख्यकों पर भी अत्याचार बढ़े। ईसाइयों को धर्मांतरण के लिए कटपेरे में खड़ा किया गया।

1990 के दशक में सैकड़ों सांप्रदायिक दंगे हुए। इस दशक में विश्व हिंदू परिषद ने जोर शोर से %घर वापसी% अभियान चलाया। सन 2000 के बाद दंगों की जगह सामूहिक नरसंहार ने ले ली। 2002 में

गोधरा ट्रेन आगजनी के बाद गुजरात में बड़े पैमाने पर मुसलमानों का नरसंहार हुआ। भाजपा शासित राज्यों में हिंसा की यह नई शैली विकसित हुई। इतना ही नहीं सीमा पार के आतंकवाद की आड़ में प्रज्ञा सिंह ठाकुर, स्वामी असीमानंद, कर्नल पुरहित जैसे हिंदुत्ववादियों पर आतंकवादी हमला करने के आरोप हैं। इन हमलों का मकसद मुसलमानों को बदनाम करना और उनको क्षति पहुँचाना था। समझौता एकसप्रेस और मालेगांव जैसे हमलों में ज्यादा मुस्लिम मारे गए।

2014 में केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद हिंदुत्ववादी संगठनों की बाढ़ आ गई। गाय के नाम पर मुसलमानों और दलितों की लिंचिंग की गई। लव जिहाद, लैंड जिहाद, कोरोना जिहाद जैसे शब्दों के जरिए मुसलमानों का पैशाचीकरण किया गया। ईसाई चर्चों पर हमले हुए। ननों के साथ बलात्कार की घटनाएं सामने आईं। सरेंआम मुसलमानों का नरसंहार करने की मुनादी की जाने लगी। मुस्लिम महिलाओं के बलात्कारियों का स्वागत किया गया। मुस्लिम महिलाओं को अपमानित करने के लिए सुखी-बुखी ऐप बनाए गए। अल्पसंख्यकों के साथ खड़े होने वाले बुद्धिजीवियों को प्रताड़ित किया गया। मुसलमानों को पाकिस्तानी और आतंकवादी कहना आम बात हो गई। नफरती और हिंसक गिरोहों को कानून का कोई डर नहीं रहा। सत्ता उनके साथ खड़ी नजर आने लगी। इस बीच सीएए के जरिए मुसलमान को दोयम दर्जे का नागरिक बनाने की कोशिश हुई।(सावरकर का हिंदुत्ववादी एजेंडा देश पर थोपने के लिए बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के संविधान को हटाने की मुहिम छेड़ दी गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में %अबकी बार 400 पर% के नारे के साथ संविधान बदलने का एजेंडा बनाया गया। अल्पसंख्यकों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना इसका लक्ष्य हो गया। लेकिन अंबेडकर और गांधी, नेहरू के विचारों और मूल्यों पर चलने वाले दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों ने भाजपा को झटका दिया। इस चुनाव में देश के लोगों ने बता दिया कि अल्पसंख्यकों और दलितों-आदिवासियों को गुलाम बनाने की साजिश नहीं चलेगी। जिस राममंदिर के नाम पर पिछले तीन दशक से मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है, उस अयोध्या में भाजपा की हार हिंदुत्व की पूरी राजनीति की पराजय बन गई।



सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्त के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग हैं। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूँ ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है -

कच्ची लाल शिमला मिर्च
शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरुस्त बनाने में मदद करता है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां
केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार

सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जेक्सैथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति को रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है - डीएचए और ईपीए। आप फेटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन

फेटी एसिड के कम होने पर लोगों को डार्ड आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।



लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं मूजकर हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि रंग जलनेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्पाउटस की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शीकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है।

सलाद खाने का सही समय
सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेसन से संबंधित समस्याएं हो जाती हैं।

इतनी देर पहले खाएं
जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर इटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिलाकर लेते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

वयों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रैसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कोपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।



अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जाने कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद है। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिए।

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

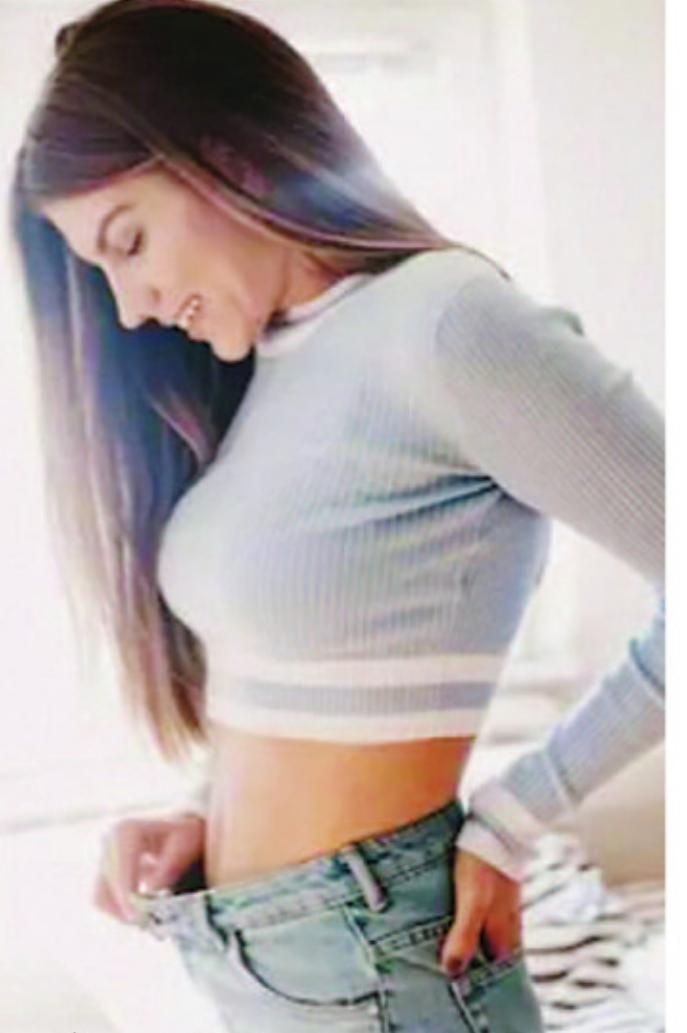
वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहे तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिलाकर कर सकते हैं। इससे मेटाबोलिज्म तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबोलिज्म को बढ़ाएं

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटों जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबोलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाएं मोटापा

स्ट्रेस या कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कॉर्टिसोल



पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एंड्रिनल ग्लैंड और कॉर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है।

अच्छी नींद लाएं

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक़्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।



भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध

जम्मू। रामबन में विभिन्न स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग रविवार को अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि देर रात से हो रही बारिश हो रही है, जिसके चलते रामबन जिले



के मेहद, कैफेटेरिया में पहलियों से मलबा व पत्थर गिरने के कारण राजमार्ग पर दोनों तरफ से यातायात बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश का मौसम है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम में सुधार होने तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा करने से बचें क्योंकि भूस्खलन व पत्थर गिरने की आशंका है। उन्होंने कहा कि वह अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यातायात कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

नई दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह का देर रात निधन हो गया। 95 वर्षीय नटवर सिंह गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती थे। कांग्रेस के कड़ावर नेताओं में शामिल रहे नटवर सिंह ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-वन सरकार के दौरान 2004-05 के दौरान विदेश मंत्री का कार्यभार संभाला। हालांकि



2005 में 'इशकी तेल के बदले अनाज' घोषाले के बाद उन्हें सरकार से इस्तीफा देना पड़ा। राजस्थान के भरतपुर में 1931 में जन्मे नटवर सिंह एक समर्थ गांधी परिवार के करीबी माने जाते थे लेकिन 2008 में उन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। नटवर सिंह ने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में काम किया था और 1966 से 1971 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े रहे थे। उन्हें 1984 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने आत्मकथा 'वन लाइफ इन नॉट इनफ' सहित कई किताबें लिखीं जो राजनीतिक हलकों में काफी चर्चित हुईं।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक शिमूलु बरुवा को टर्मिनल 3 की इमिग्रेशन काउंटर से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल से फर्जी दस्तावेज बनाकर बरुवा लखनऊ से बैकॉक जाने की तैयारी में था। बैकॉक जाने के लिए उसने आशीष राय के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार करने के बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे सरोजिनी नगर पुलिस के हवाले कर दिया। सरोजिनी नगर पुलिस ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। उसके पास से अलग-अलग नाम से बने दो जाली पासपोर्ट, दो आधार कार्ड और एक बैकॉक का ट्रिस्ट वीजा बरामद हुआ है।



नटवर सिंह के निधन पर अखिलेश यादव ने व्यक्त किया दुःख

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त किया। लंबे समय से बीमार नटवर सिंह का निधन हो गया था। वह 93 वर्ष के थे। सपा प्रमुख ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पूर्व विदेश मंत्री, पद्म भूषण से सम्मानित कुंआर नटवर सिंह जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे एवं शोककुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे।' पूर्व विदेश मंत्री, पद्म विभूषण से सम्मानित कुं. नटवर सिंह जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे नटवर सिंह ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां वह पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती थे। राजस्थान के भरतपुर जिले में जन्मे नटवर सिंह 2004-05 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संग्रम) सरकार में विदेश मंत्री थे।

हिमाचल में बारिश का तांडव, मंदिर बहा, घरों में घुसा पानी, भूस्खलन से पांच हाइवे बंद

एजेंसी शिमला। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जोरदार बारिश ने तांडव मचा दिया है। बाढ़ व भूस्खलन से कई इलाकों में जनजीवन अस्तव्यस्त है। जनजातीय जिला किन्नोर के पूह तहसील में फ्लेश फ्लड से भयंकर भूस्खलन हुआ है। पूह से रोकि तक नेशनल हाइवे के कई किलोमीटर हिस्से में भारी भूस्खलन हुआ है। इससे हाइवे पूरी तरह बाधित हो गया है। माना जा रहा है कि बादल फटने के बाद यहां फ्लेश फ्लड आया है। हालांकि फ्लेश फ्लड व भूस्खलन से किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है।

उधर, सिरमौर जिला में बीती रात से हो रही मूसलाधार वर्षा से गिरी, यमुना और मारकंड नदियों ने रौद्र रूप धारण कर लिया है और प्रशासन ने लोगों को नदी नालों से दूर रहने की सलाह दी है। सिरमौर जिला के मुख्यालय नाहन के बनकला पंचायत में उफनी नदी नालों से दूर तबाही मचा रही है। रविवार को सुबह बनकला में नदी किनारे बना मंदिर को सैलाब बहा ले गया। पलक झपकते ही मंदिर पानी में समा गया।



गढ़। उना जिला में देर रात से हो रही तेज बारिश ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। उना में कई घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में बरसाती पानी घुस गया है। राजधानी शिमला में भी बीती रात से बारिश का दौरा जारी है। जिला के चौपाल उपमंडल ग्राम पंचायत पौड़ियां के गांव तारापुर में धना नाले में आई बाढ़ में कई बागवनों के सेब के पेड़ों और सेब की पेटियों के मलबे में दबने से भारी नुकसान हुआ है। अगले 24 घंटे भारी वर्षा का

अंरेंज अलर्ट, बाढ़ की चेतावनी मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे यानी सोमवार तक 10 जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा का अंरेंज अलर्ट जारी किया है। ये अलर्ट साहिब में 110, कांगड़ा में 85, पालमपुर में 82 और बिलासपुर में 52 मिमी वर्षा रिकार्ड हुईं। भूस्खलन से पांच एनएच और 288 सड़कें अवरुद्ध राज्य में हो रही व्यापक वर्षा से कई सड़कों के अवरुद्ध होने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार सुबह तक राज्य भर में भूस्खलन से पांच नेशनल हाइवे और 288 सड़कें बाधित हैं। मंडी में दो, सिरमौर, कुल्लू और किन्नोर में एक-एक नेशनल हाइवे बंद है। मंडी जिला में सबसे ज्यादा 96 सड़कें बंद हैं। शिमला में 76, कुल्लू में 37, सिरमौर में 33, चम्बा में 26, लाहौल-स्पीति में सात, हमीरपुर में पांच और कांगड़ा व किन्नोर में चार-चार सड़कें बंद हैं। सबसे ज्यादा 458 बिजली ट्रांसफार्मर और 48 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। चम्बा जिला में सबसे ज्यादा 204 और सिरमौर में 119 ट्रांसफार्मरों के खराब होने से बिजली गुल है। कुल्लू में 21, मंडी में 20 और शिमला में 13 ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं। भारी वर्षा से कुल्लू में 25 और शिमला में 16 पेयजल स्कीमें ठप हैं।

स्व. प्रभात झा ने अभिभावक की भांति स्नेह देकर निभाई अपनी भूमिका : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ग्वालियर में स्व. प्रभात झा की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए और श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने स्व. प्रभात झा को याद करते हुए कहा कि वे छोटे से छोटे कार्यकर्ता की चिंता करते थे। स्व. झा ने सही मायने में अभिभावक की भांति स्नेह देकर अपनी भूमिका का निर्वहन किया। उनका सम्पूर्ण जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। डॉ यादव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के समय से उनके प्रभात झा के साथ आत्मीय संबंध रहे। उनके विचार हम सबका मार्गदर्शन करते रहेंगे।

कृतित्व में साफ दिखाई देती थी। उन्होंने न केवल प्रखर पत्रकारिता की बल्कि संकल्पबद्ध होकर संगठन का अर्थव्यवस्था द्वारा स्व. झा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये भेजे गए शोक संदेश का वाचन किया। सामाजिक



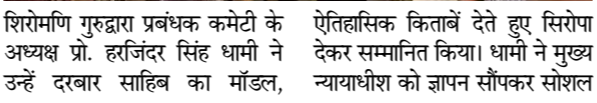
व्यापार में कैसर अस्पताल परिसर स्थित शीतला सहाय सभागार में शनिवार शाम स्व. झा को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिये श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। श्रद्धांजलि सभा में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि स्व. झा संकल्प के धनी थे और जो कहते थे, उसे करके दिखाते थे। अभाव में भी कैसे सफलतापूर्वक भूमिका निभाई जा सकती है इसकी झलक प्रभात झा जी के व्यक्तित्व व

न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रभात झा से मिला मार्गदर्शन हम सभी को सदैव संबल प्रदान करता रहेगा। उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्व. झा के पदचिन्हों पर चलना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूर्व राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी एवं पूर्व मंत्री जयभानु सिंह पवैया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने विचार व्यक्त कर स्व. प्रभात झा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत के चीफ जस्टिस हरिमन्दिर साहिब में हुए नतमस्तक

एजेंसी चण्डीगढ़। चण्डीगढ़ दौरे पर आए भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ दरबार साहिब नतमस्तक हुए। यहां शीघ्र निवाने के बाद उन्होंने यात्री पुस्तक में लिखा कि हरिमन्दिर साहिब में अरदास करने का सपना आज साकार हुआ। देश व मानवता की सेवा में यहाँ अरदास करने के योग्य होना सौभाग्य वाला पल है। इस अवसर पर

एजेंसी बंगलुरु। कर्नाटक में इन दिनों जमकर बारिश हो रही है, जिससे तुंगभद्रा बांध में जलरत से जरासा पानी भर गया है। बांध में रविवार देर रात इतना पानी भर गया कि तुंगभद्रा बांध के गेट की एक चैन टूट गई, जिससे नदी में अचानक से 35,000 क्यूसेक पानी बहने लगा। इस तरह की घटना बांध के 70 साल के इतिहास में पहली बार हुई है।



तीरमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेट्री के अध्यक्ष प्रो. हरजिंदर सिंह धामी ने उन्हें दरबार साहिब का मॉडल, ऐतिहासिक किताबें देते हुए सिरोगा देकर सम्मानित किया। धामी ने मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपकर सोशल

मीडिया पर सित्तों के विरुद्ध किये जा रहे दुष्प्रचार पर रोक लगाने की मांग की। धामी ने कहा कि सित्तों ने देश के लिए कई कुबानियां दी हैं लेकिन कुछ शरारती तत्व सित्तों के इतिहास, मर्यादा, पहचान को लेकर जानबूझकर टिप्पणियां करते हैं। इस संबंध में केंद्र व राज्य सरकारों को प्रस्ताव भेजे गए हैं। भारतीय न्याय प्रणाली के अंतर्गत इनपर रोक लगाई जाए।

बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं : मंत्री

एजेंसी सुकमा। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा के बाद बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। हरिचंदन ने कहा कि ओडिशा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें जल्द उनके देश भेजा जाएगा। पुलिस का कहना है कि भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस बांग्लादेश से सटी 480 किलोमीटर लंबी समुद्री सीमा पर त्रिस्तरीय सुरक्षा बनाए हुए है।



बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की संभावनाओं से जुड़े पत्रकारों के सवाल के जवाब में हरिचंदन ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माडो ने तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस को इस तरह की कोशिशों को नाकाम करने के लिए समुद्र तट पर गश्त करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रमों के बाद एसी (बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने की) कोई रिपोर्ट नहीं है। हरिचंदन ने कहा, कुछ बांग्लादेशी लंबे समय से ओडिशा में रह रहे हैं। राज्य सरकार उनके दरतावेजों, मसलन-वीजा और वर्क परमिट या राज्य में रहने के किसी अन्य वैध कारण का सत्यापन करेगी। सत्यापन के बाद अवैध चुसपटियों को उनके देश वापस भेजा जाएगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक ओडिशा के सात जिलों में कुल 3,740 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान की गई है। इनमें से 1,649 केंद्रपाड़ा में, 1,112 जगतसिंहपुर में और 655 मलकानगिरि में अवैध रूप से रह रहे हैं।

चेहरे पर खून... प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान, महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म पर मचा बवाल

हत्या की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है और एफआईआर में यौन उलपीड़न के आरोप लगाया कि उनकी बेटी का दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई है। सीएम ममता ने उन्हें



आरोप जोड़ने के लिए तीन सदस्यीय शव परीक्षण दल की औपचारिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने कहा कि उन्हें उस गंदे पर खून के धब्बे और मानव बाल मिले हैं जिस पर वह लेटी हुई थी और शव के बगल में एक टूटा हुआ चरमा मिला है। ममता बनर्जी ने डॉक्टर के पिता को किया फोन सीएम ममता बनर्जी ने डॉक्टर के पिता को फोन किया। पिता ने

हिमाचल में वित्तीय संकट से जूझ रही सरकार ने मुपत से किया किनारा

एजेंसी शिमला। हिमाचल प्रदेश की सुकृष् सरकार वित्तीय संकट का सामना कर रही है। राज्य की माली हालत इतनी खस्ता हो गई है कि हर माह भारी-भरकम कर्जा उठाना पड़ रहा है। अब राज्य सरकार अपने खजाने भरने के विभिन्न तरीके तलाश रही है। सुकृष् सरकार कई फैसले लेकर आर्थिक व्यवस्था को पटरी पर लाने की कवायद में जुट गई है। पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में चलाई गई योजनाओं को बदलकर रास्तेव जुटाने के तरीके निकाले गए हैं। राज्य सरकार खजाना भरने के लिए कई बड़े निर्माण ले चुकी है। इन्हें जमीनी स्तर पर लागू होने से इस वित्तीय वर्ष में सरकार को करीब दो हजार करोड़ रूपए का राजस्व जुटाने का अनुमान है।

नौसेना को मिला अग्निवीरों का चौथा बैच, कुशल समुद्री योद्धा बनने का आग्रह

एजेंसी नई दिल्ली। आईएनएस चिल्का से पास आउट 1389 अग्निवीरों का चौथा बैच भारतीय नौसेना को मिला गया है। इनमें 214 महिलाएं और 1175 पुरुष हैं। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने पासिंग आउट कोर्स के राष्ट्र निर्माण के अपने प्रयास में नौसेना के मूल मूल्यों का सम्मान और साहस को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अग्निवीरों से प्रशिक्षण के अपने अगले चरणों पर ध्यान केंद्रित करने और तकनीकी रूप से कुशल समुद्री योद्धा बनने का आग्रह किया।

एडमिरल राजेश पेंडारकर भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इसके अलावा पास आउट अग्निवीरों के परिजन, प्रतिष्ठित दिग्गज और कॉमनवेल्थ मंत्रि सभा प्रशिक्षणों को बधाई देते हुए इस पासिंग आउट कोर्स को राष्ट्र निर्माण के अपने प्रयास में नौसेना के मूल मूल्यों कर्तव्य, सम्मान और साहस को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अग्निवीरों से प्रशिक्षण के अपने अगले चरणों पर ध्यान केंद्रित करने और तकनीकी रूप से कुशल समुद्री योद्धा बनने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि ने पीओपी के दौरान मेधावी अग्निवीरों को पदक और ट्रॉफी प्रदान की। विनय मारुति कदम? और संजना को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ अग्निवीर एएसएसआर और एसआर के लिए चीफ ऑफ डे नेवल स्टॉफ रोडिंग ट्रॉफी और स्वर्ण पदक मिला। सश्री मोहन मित्रों को सम्मान योग्यता क्रम में सर्वश्रेष्ठ महिला अग्निवीर के लिए जनरल बिपिन रावत रोडिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। आशीष और युवराज को उनके संबंधित पाठ्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान? नौसेना प्रमुख ने शिवाजी डिवीजन को समग्र वैमिल्यनशिप ट्रॉफी और अर्जुन डिवीजन को रत्न अप ट्रॉफी प्रदान की। उ



2010 के दौरान शूटिंग में स्वर्ण पदक विजेता आमकास सिंह इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के सश्री बने। परेड-इन-चीफ वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास परेड के संचालन अधिकारी थे। पूर्व नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस

एजेंसी बंगलुरु। कर्नाटक में इन दिनों जमकर बारिश हो रही है, जिससे तुंगभद्रा बांध में जलरत से जरासा पानी भर गया है। बांध में रविवार देर रात इतना पानी भर गया कि तुंगभद्रा बांध के गेट की एक चैन टूट गई, जिससे नदी में अचानक से 35,000 क्यूसेक पानी बहने लगा। इस तरह की घटना बांध के 70 साल के इतिहास में पहली बार हुई है। तुंगभद्रा बांध कर्नाटक में एक महत्वपूर्ण जल स्रोत और बाढ़ नियंत्रण का काम करता है। इसमें कुल 33 गेट हैं, लेकिन इनमें से 19वां गेट टूट गया। हालांकि, मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि 19वें गेट को हुए नुकसान की मरम्मत बांध से लगभग 60 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी छोड़ने के बाद ही शुरू हो सकती है।



सभी 33 गेटों से पानी छोड़ा जाना शुरू तुंगभद्रा बांध की मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्थानीय अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई की। कोपल के जिला प्रभारी मंत्री शिवराज तंगदानी रविवार सुबह बांध पर पहुंचे और स्थिति का आकलन किया। बांध से भारी मात्रा में पानी निकलने से जुड़े खतरों को देखते हुए रविवार सुबह से बांध के सभी 33 गेटों से पानी छोड़ा जाना शुरू हो गया।

गाया में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा, कब्रिस्तान के नजदीक करने वाले थे डील

एजेंसी भोपाल। गया जिला पुलिस ने चाकंद और मुफ्तिस्तल थाना के संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने मिनी गन फैक्ट्री का राजफाश करते हुए भारी मात्रा में निर्मित, अर्ध निर्मित हथियारों के साथ जिंदा कार्जुस बरामद किया है। कब्रिस्तान के पास अवैध हथियार की डील होनी थी पुलिस ने अवैध हथियार बनाने और आपूर्ति करने में संलिप्त तीन तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। शाम को एसपी अनवर जावेद अंसारी ने चाकंद थाना परिसर में प्रेस

सशस्त्र बल के जवानों को शामिल किया गया। एसपी ने बताया कि गठित टीम जब चार घण्टे तक तोड़ तोड़ लोथरन को देखकर भागने लगे। सशस्त्र बल जवानों द्वारा पकड़े गए व्यक्ति के पास कई अवैध चीजें हुई बरामद पकड़े गए तीनों व्यक्ति का तलाशी के दौरान मो अरमान के पास से एक देशी पिस्टल, एक मोटेसडाइल, एक स्मार्ट फोन, मो गोल्डन के पास से एक स्मार्ट फोन, एक मोटरसाइकिल तथा विपिन विश्वकर्मा के पास से एक मोबाइल बरामद किया गया।



पुछताछ के दौरान तीनों ने बताया कि अविगल्ल लोगों में मो अरमान, चातर बाट, मो गोल्डन, इनबुल कटहरी थाना चाकंद एवं विपिन विश्वकर्मा अबागल्ल देवी स्थान थाना मुफ्तिस्तल शामिल हैं। पकड़े गए व्यक्ति के पास कई अवैध चीजें हुई बरामद पकड़े गए तीनों व्यक्ति का तलाशी के दौरान मो अरमान के पास से एक देशी पिस्टल, एक मोटेसडाइल, एक स्मार्ट फोन, मो गोल्डन के पास से एक स्मार्ट फोन, एक मोटरसाइकिल तथा विपिन विश्वकर्मा के पास से एक मोबाइल बरामद किया गया।

एक दिन ब्रेक के बाद वायनाड में बचाव अभियान फिर शुरू, अब तक 229 लोगों की मौत

वायनाड। एक दिन आराम के बाद वायनाड के लैंडस्लाइड प्रभावित एरिया में रविवार को फिर से व्यापक खोज अभियान शुरू हो गया। बचावकर्मियों विनाशकारी प्राकृतिक आपदा के बाद लापता लोगों को तलाश कर रहे हैं। बचाव अभियान में पुलिस और फायर सर्विस के कर्मियों के अलावा, विभिन्न सेवा और युवा समूहों के स्वयंसेवक, भूस्खलन में बचे लोग और पीड़ितों के परिजन शामिल हैं। 1200 से अधिक कर्मचारी तेनात वहाँ, भूस्खलन की त्रासदी के बाद केंद्र सरकार ने तत्काल कदम उठाते हुए घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्यों के लिए सेना, वायु सेना, नौसेना, एनडीआरएफ, अग्निशमन सेवाओं और रिविल डिफेंस सहित अन्य विभागों के 1,200 से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया है। केरल सरकार के आंकड़ों के अनुसार, भूस्खलन में 229 लोग मारे गए हैं, जबकि 130 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।



किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वकत साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती हैं कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिक्रिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुत जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म

होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना घिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।



खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़े भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य दरवाजा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में दर्पण आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-कभी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार को बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वास होगा।



आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी रिक्म टोन को कॉम्प्लिमेंट करता हो।



तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हँडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए वो बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की वैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं हैं। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें। स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और

कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें। डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें। बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाएं। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रेशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रेशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रेशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका साकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मॉकिंग और वलास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें। उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें। बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।



‘मैं समझ गया था कि उसका भविष्य उज्जवल है’, वैगसरकर ने सचिन को लेकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वैगसरकर ने अतीत की यादों को ताजा करते हुए कहा कि स्पिनरों की मददगार पिच पर अरशद अयूब और वेंकटपति राजू जैसे कबिल गेंदबाजों के खिलाफ सचिन तेंदुलकर को बल्लेबाजी को देखकर वह उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर आश्चर्य नहीं हो गए थे। वैगसरकर ने हैदराबाद के खिलाफ सचिन के साथ की गई लंबी साझेदारी को याद किया। मालूम हो कि सचिन के नाम सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है और वह दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाए हैं। भारत और मुंबई के लिए तेंदुलकर के साथ खेलने वाले वैगसरकर ने हैदराबाद के खिलाफ अपने जूनियर साथी के साथ की गई लंबी साझेदारी को याद करते हुए कहा, मुझे याद है, हम हैदराबाद के खिलाफ स्पिनरों की मददगार पिच पर खेल रहे थे। अरशद अयूब और वेंकटपति राजू गेंदबाजी कर रहे थे। वे बहुत अच्छे गेंदबाज थे। उनके खिलाफ मेरी और सचिन की साझेदारी लंबी रही थी। वैगसरकर ने एक पुस्तक के विमोचन के दौरान कहा कि इस साझेदारी ने उन्हें तेंदुलकर के भविष्य की झलक दिखा दी थी। उन्होंने कहा, वह स्पिनरों की मददगार पिच पर बहुत अच्छा खेल रहा था। मैं समझ गया था कि वह पूरी दुनिया में अच्छा करेगा और वही हुआ।

राजनीतिक अशांति से ट्रेनिंग में बाधा के बाद पाकिस्तान जल्दी पहुंचेगी बांग्लादेश क्रिकेट टीम

ढाका। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घोषणा की कि बांग्लादेश की सीनियर क्रिकेट टीम 13 अगस्त को पाकिस्तान पहुंचेगी क्योंकि घरेलू राजनीतिक अशांति के कारण उनकी दो मंच की टेस्ट सीरीज की ट्रेनिंग बाधित हुई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इस संबंध में पीसीबी का निर्माण स्वीकार किया है। बांग्लादेश आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंतर्गत पाकिस्तान से दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगा। पहला टेस्ट 21 से 25 अगस्त को रावलपिंडी में जबकि दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से तीन सितंबर तक कराची में होगा। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सरमान नसीर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि बीसीबी ने उनका निर्माण स्वीकार कर लिया। नसीर ने कहा, ‘खेल महज जीत और हार नहीं है। यह भाईचारे के बारे में भी है। मुझे पुरा भरोसा है कि लाहौर में अतिरिक्त ट्रेनिंग सत्र से बांग्लादेश के खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपना कौशल और प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।’ बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम को पाकिस्तान में अतिरिक्त ट्रेनिंग का मौका देने के लिए पीसीबी को धन्यवाद दिया।

राहुल द्रविड़ को इस देश के खिलाफ सीरीज नहीं जीत पाने का अफसोस

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने कोचिंग करियर के सबसे खराब पल का खुलासा किया है। द्रविड़ का कहना है कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाने का अफसोस है। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज द्रविड़ को नवंबर 2021 में कोच नियुक्त किया गया था। द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सेंचुरियन टेस्ट में 113 रनों से हराया था और वह दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने के करीब पहुंच गया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम दो टेस्ट में वापसी की और घर में भारत के खिलाफ टेस्ट में अविजित रहने का रिकॉर्ड बरकरार रखा। उस सीरीज को याद करते हुए द्रविड़ ने इस अपने कोचिंग करियर का खराब पल बताया। द्रविड़ ने एक स्पॉट्स चैनल से कहा, अगर आप मुझे यह पूछें कि सबसे खराब पल क्या है तो मैं दक्षिण अफ्रीका सीरीज को ऐसा मानता हूँ। हमने दक्षिण अफ्रीका में पहला टेस्ट जीता था और हमें दो टेस्ट और खेलने थे। हमने कभी दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। हमारे लिए वहां सीरीज जीतने का एक अच्छा अवसर था। हमारे कुछ सीनियर खिलाड़ी उस दौर पर नहीं थे। द्रविड़ ने कहा कि टीम अंतिम दो टेस्ट मैच जीतने के करीब थी और दक्षिण अफ्रीका के सामने बड़ा लक्ष्य रख सकता थी। उन्होंने कहा, रोहित शर्मा चोटिल थे और हमारे पास उस सीरीज में खेलने के लिए ज्यादा सीनियर खिलाड़ी नहीं थे।

नीरज और नदीम के बीच भाईचारे को लेकर आया हरभजन का बयान

नई दिल्ली। भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में अपने-अपने देश के लिए पदक जीते। इस जीत के बाद दोनों खिलाड़ी एक दूसरे से बात करते देखे थे। इन तस्वीरों को देखकर पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह खुश हुए और उनका मानना है कि इन दोनों खिलाड़ियों के बीच भाईचारा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि खेल सीमाओं से परे है और लोगों को एकजुट करता है। पाकिस्तान के नदीम ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर के शानदार ओलंपिक रिकॉर्ड श्रेष्ठ के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि गत चैंपियन नीरज चोपड़ा ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता। नीरज दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले आजाद भारत के पहले ट्रेक एंड फील्ड एथलीट हैं। हरभजन ने कहा, ‘हमने कुछ अच्छी फोटो देखीं जिसमें प्रतिस्पर्धा खत्म होने के बाद हुए समारोह के बाद नीरज और नदीम एक दूसरे से बात कर रहे थे। दोनों ने अपने-अपने देश का ध्वज पकड़ा हुआ था और खिलाड़ी के तौर पर दोनों एक दूसरे का सम्मान कर रहे थे। इससे पता चलता है कि खेल किसी भी सीमा से परे है और खेल सभी को एकजुट करता है। इन दोनों ने बहुत अच्छा संदेश दिया है। यह भारत-पाकिस्तान जैसा है।’

ओलंपिक में पदक जीत पंजाब लौटे हॉकी प्लेयर्स, अमृतसर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत; गोल्डन टैपल में टेका माथा

एजेंसी
पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम को कांस्य पदक दिलवाकर भारत के सपुत गुरुनगरी लौटे हैं। सपुतों का श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया है। एयरपोर्ट पर पहुंचे खिलाड़ियों के परिवारों ने जहां उनका स्वागत किया।

परिवार ने उदाई खास मांग खिलाड़ियों को पंजाब सरकार

वर्तमान आम आदमी पार्टी की सरकार सिर्फ एक एक करोड़ रूपया



धालीवाल व हरभजन सिंह ईटीओ ने किया स्वागत वही पंजाब सरकार की ओर से मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल व हरभजन सिंह ईटीओ भी टीम का स्वागत करने पहुंचे। भारतीय टीम में अमृतसर के टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह, गुरजंत सिंह, शमशेर सिंह और जर्मनजीत सिंह खेले थे। एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद टीम श्री हरिमंदिर साहिब नतमस्तक हुई।

द्वारा मिलने वाली इनाम राशि पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सांसद गुरजीत सिंह औलाखा ने कहा कि कांग्रेस सरकार में खिलाड़ियों को बड़ी बड़ी करोड़ रूपया मिलता था, जबकि

ही दे रही है, तो वहीं खिलाड़ियों के परिवारों ने भी राशि बढ़ाने की मांग की है।
एसजीपीसी अध्यक्ष ने दी बधाई: अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में

नाकामुरा ने बुलेट में किया शानदार प्रदर्शन, स्पीड चैस के सेमीफाइनल में फिरोजा से होगी टक्कर

एजेंसी
नई दिल्ली। विश्व के नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारू नाकामुरा ने स्पीड चैस चैंपियनशिप 2024 के सेमी फाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी बन गए हैं।

अलरीजा के खिलाफ खेलना वास्तव में रोमांचक होगा क्योंकि, जैसा कि मैंने शायद पहले 10 बार कहा है, वह



में उन्होंने रूस के यान नेपोमनिशी को 14.5-9.5 के स्कोर से हराया। नेपोमनिशी ने पहले सेगमेंट में तीन अंकों की बढ़त हासिल की थी, लेकिन नाकामुरा ने 3+1 मिनट के दूरे सेगमेंट में स्कोर बराबर कर दिया और फिर बुलेट गेम्स में दबदबा बनाकर मैच जीत लिया। अब पेरिस में होने वाले सेमीफाइनल में नर्वे के मैन्स काल्मस यूएसए के हंस नीमस से और फ्रांस के अलरीजा फिरोजा यूएसए के हिकारू नाकामुरा से 6 सितंबर को खेलेंगे। जीत के बाद नाकामुरा ने कहा कि मुझे लगता है कि

फाइनल के साथ समाप्त होगी, जो पेरिस में लाइव होगा।

पर हैं। स्पीड चैस की शुरुआत 27 और 28 जून को क्वालिफायर से हुई थी और यह 8 सितंबर को पहली बार

पदक मिले या नहीं, विनेश ने देश के लिए जो किया उसे लोग नहीं भूलेंगे : नीरज चोपड़ा

एजेंसी
पेरिस। स्टाइल भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पहलवान विनेश फोगाट की खेल पंचाट (सीएएस) की गई अपील को सफल करने की उम्मीद जताते हुए कहा कि अगर वह फैसला उनके पक्ष में नहीं रहा तो भी लोगों यह भूलना नहीं चाहिए कि उन्होंने देश के लिए क्या किया है। विनेश को बुधवार को निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए अयोग्य ठहराकर बाहर दिया गया था।

नीरज पेरिस में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले ट्रेक एंड फील्ड के पहले



उनकी अपील की सुनवाई पूरी हो गयी है इस मामले में फैसला भारतीय समन्वयक आर आर 9.30 बजे तक आने की उम्मीद है। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले

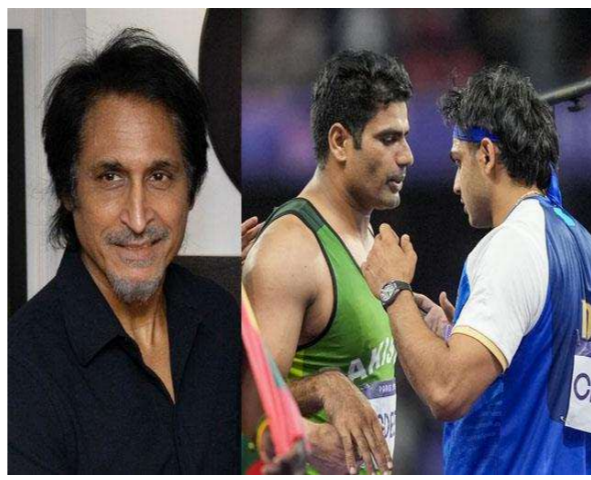
अपने कार्यकाल के दौरान राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज की हमेशा वकालत की। उन्होंने दोनों देशों से इन बाधाओं से आगे बढ़ने और प्रतिस्पर्धा की भावना को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अंत में कहा कि मुझे लगता है कि हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। आइए हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलने की दिशा में काम करें।

अरशद-नीरज की प्रतिद्वंद्विता पर बोले रमिज राजा- अभी और खेल मुकाबले भी करवाए जाएं

एजेंसी
नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रमिज

आश्चर्यजनक बात उनका स्वभाव था। कोई अत्यधिक

किया। राजा ने कहा कि जो चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई, वह



राजा ने पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम और पूर्व भारतीय ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता पर अपनी प्रशंसा व्यक्त की है। नदीम ने पुरुषों की भाला फेंक में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड श्रेष्ठ के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ श्रेष्ठ के साथ रजत पदक जीता। नदीम और चोपड़ा के बीच प्रतिस्पर्धा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजा ने कहा कि दोनों महान चैंपियन हैं। मैं चाहता हूँ कि इनके बीच एक अलग प्रतिद्वंद्विता है, जो जारी रहनी चाहिए।

उसका जमीनी रवैया था। उन्होंने माना कि चोपड़ा उस दिन एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ थे। उन्हें उस दिन एक भाला फेंकने वाले ने हराया था जो उनसे बेहतर था। राजा ने इस दौरान भारत और

पाकिस्तान के बीच अधिक खेल प्रतियोगिताओं की वकालत की। उन्होंने दोनों देशों के बीच खेल संबंधों पर राजनीति के प्रभाव पर अफसोस जताया और इस बात पर जोर दिया कि प्रशंसकों को इस तरह के अयोग्यता से वांचित नहीं किया जाना चाहिए। राजा ने तर्क दिया कि प्रशंसकों को राजनीति के कारण नुकसान क्यों उठाना चाहिए? प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। यह सबसे बड़ा तमाशा है। दुनिया इसका इंतजार करती है।

एजेंसी
टोक्यो। पेरिस ओलंपिक में कुश्ती में भारत को निराशा हाथ लगी। जहां टोक्यो ओलंपिक में भारत ने इस स्पर्धा में एक रजत (रवि दहिया) और एक कांस्य (बजरंग पुनिया) समेत दो पदक जीते थे। इस ओलंपिक में अब तक भारत को अमन सहरावत (कांस्य) के रूप में एक ही सफलता मिली है। विनेश फोगाट के पास स्वर्ण जीतने का मौका था, लेकिन फाइनल से ठीक पहले उन्हें बड़े हुए वजन के लिए अयोग्य करार दिया गया। इससे बाद भारत के स्वर्ण जीतने की उम्मीदों को झटका लगा। विनेश इस ओलंपिक में शानदार फॉर्म में दिखी थीं।

नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में अपने-अपने देश के लिए पदक जीते। इस जीत के बाद दोनों खिलाड़ी एक दूसरे से बात करते देखे थे। इन तस्वीरों को देखकर पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह खुश हुए और उनका मानना है कि इन दोनों खिलाड़ियों के बीच भाईचारा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि खेल सीमाओं से परे है और लोगों को एकजुट करता है। पाकिस्तान के नदीम ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर के शानदार ओलंपिक रिकॉर्ड श्रेष्ठ के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि गत चैंपियन नीरज चोपड़ा ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता। नीरज दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले आजाद भारत के पहले ट्रेक एंड फील्ड एथलीट हैं। हरभजन ने कहा, ‘हमने कुछ अच्छी फोटो देखीं जिसमें प्रतिस्पर्धा खत्म होने के बाद हुए समारोह के बाद नीरज और नदीम एक दूसरे से बात कर रहे थे। दोनों ने अपने-अपने देश का ध्वज पकड़ा हुआ था और खिलाड़ी के तौर पर दोनों एक दूसरे का सम्मान कर रहे थे। इससे पता चलता है कि खेल किसी भी सीमा से परे है और खेल सभी को एकजुट करता है। इन दोनों ने बहुत अच्छा संदेश दिया है। यह भारत-पाकिस्तान जैसा है।’

हिंगुची ने विनेश का समर्थन किया उन्होंने अपने पहले ही मैच में चार बार की विश्व चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक की चैंपियन विश्व नंबर एक जापान की सुसाकी को हराया था। हिंगुची का विनेश से भिड़ने के पहले का रिकॉर्ड 82-0 था। इन जीत के सिलसिले को विनेश ने रोक दिया था। इसके बाद टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता ओकसाना लिवाच और क्यूबा की गुजमान लोपेज को हराकर विनेश ने फाइनल में जगह बनाई थी। अब विनेश को पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता पहलवान हिंगुची रई का समर्थन मिला है। हिंगुची ने 57 किग्रा वर्ग में पेरिस में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने ही भारत के अमन सहरावत को सेमीफाइनल में हराया था। उन्होंने अब विनेश को लेकर बयान दिया है।

आईओसी ने अभिनव बिंद्रा को किया ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित, बोले- यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है

एजेंसी
पेरिस। भारतीय निशानेबाज

आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए 2008 में उन्होंने चीन के गत



अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उल्लेख योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने ओलंपिक ऑर्डर अर्वाइंड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सत्र के दौरान उन्हें सन अर्वाइंड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अर्वाइंड से सम्मानित किया गया था। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता बने बिंद्रा को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सम्मानित किया। बिंद्रा ने कहा, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया।आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष बिंद्रा ने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और भी अधिक मेहनत करने और ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है। यह मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। वर्ष 1975 में स्थापित ओलंपिक ऑर्डर ओलंपिक आंदोलन का सर्वोच्च पुरस्कार है। यह ओलंपिक

2008 में उन्होंने चीन के गत चैंपियन झू किनान को हराकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने रियो 2016 में भी फाइनल में जगह बनाई लेकिन चौथे स्थान पर रहे। बिंद्रा 2018 से आईओसी खिलाड़ी आयोग का फाइनल में जगह बनाई। बीजिंग

से पांच ओलंपिक में हिस्सा लिया। उन्होंने पहली बार एथेंस 2004 में अपनी छाप छोड़ी जब उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल का फाइनल में जगह बनाई। बीजिंग

पदक जीता। उन्होंने रियो 2016 में भी फाइनल में जगह बनाई लेकिन चौथे स्थान पर रहे। बिंद्रा 2018 से आईओसी खिलाड़ी आयोग का फाइनल में जगह बनाई। बीजिंग

पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया। उन्होंने पहली बार एथेंस 2004 में अपनी छाप छोड़ी जब उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल का फाइनल में जगह बनाई। बीजिंग

विनेश फोगाट के समर्थन में आए सचिन तेंदुलकर, भारतीय पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर महिला पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में आए हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दिया गया था। विनेश ने फाइनल में पहुंचकर देश के लिए रजत पदक कर दिया था, लेकिन उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था। हालांकि, मैच से पहले ही उन्हें अयोग्य करार दिया गया। विनेश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है। सचिन ने विनेश को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। तेंदुलकर ने कहा कि खेलों में नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिए।

कौन होगा पीआर श्रीजेश का विकल्प? भारतीय गोलकीपर ने खुद दिया जवाब, बोले- टीम में प्रतिभा मौजूद है

एजेंसी
पेरिस। भारतीय हॉकी टीम की

हाउस में पीटीआई से बात करते हुए दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने टीम में



दीवार माने जाने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास का एलान कर दिया। अब उन्हें भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। श्रीजेश के बाद कौन उनकी टीम में जगह ले सकता है। इस सवाल का जवाब स्टाइल खिलाड़ी ने खुद दिया है।

में ऐसा ही होता है। सचिन तेंदुलकर थे और अब विराट कोहली हैं और

लेगा। संन्यास के अगले दिन ही हॉकी इंडिया ने पीआर श्रीजेश को भारत की जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। नई जिम्मेदारी मिलने पर दिग्गज ने खुशी जताई, लेकिन इस बात से वह इस बात से दुखी हैं कि अब वह हॉकी नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के इर्द-गिर्द घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे।

श्रीजेश ने कहा, यह जीवन की कमी खलना जैसा है, मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता। 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूँ। मुझे नहीं पता कि मुझे किन

चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले। सुबह से ही मैं उनके साथ बाहर रहता हूँ हूँ नियुक्त किया। नई जिम्मेदारी मिलने पर दिग्गज ने खुशी जताई, लेकिन इस बात से वह इस बात से दुखी हैं कि अब वह हॉकी नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के इर्द-गिर्द घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे।

आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए 2008 में उन्होंने चीन के गत चैंपियन झू किनान को हराकर स्वर्ण

पांच कांस्य और एक रजत के साथ समाप्त हुआ भारत का ओलंपिक अभियान

एजेंसी
पेरिस। खेलों के महाकुंभ को

दल में भेजा था। वहीं, इनके साथ 140 सहायक कर्मचारी और अधिकारी भी भारतीय दल के साथ गए थे। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि भारत ने कुल छह पदक किस खेल में जीते।

अपने विकल्प पर चर्चा की। उन्होंने कहा, कोई खालीपन नहीं होगा। मेरी जगह कोई और आएगा। सभी खेलों

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में मनु भाकर ने सर्वजिता सिंह के साथ मिलकर कांस्य जीता। इस ओलंपिक में यह भारत का दूसरा पदक था। भारत ने कांस्य पदक के मुकाबले में दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और ली वोन्ग की जोड़ी को 16-10 से हराया। इसी के साथ मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहले भारतीय बदन गई। भारत को तीसरा पदक स्वनिनल कुमाल ने दिलाया। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पांजिशम में एक अगस्त को कांस्य पदक जीता। स्वनिनल महिला या

पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पांजिशम में ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हैं। स्वनिनल का पदक अग्रव्यापित था, क्योंकि किसी ने उन्हें पदक की टोपी नहीं रखा था। हालांकि, उन्होंने सभी को चौकाते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम से पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की काफी उम्मीद थी, स्वर्ण तो नहीं आया, लेकिन भारतीय टीम कांस्य पदक को बरकरार रखने में कामयाब रही है। भारत ने टोक्यो 2020 में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था और रमनप्रीत सिंह की

अगुआई में कांस्य पदक जीता था। तीन साल बाद भारतीय टीम ने आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता। भारत ने कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हरा दिया। भारत के स्टाइल भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के अंतिम सर्वश्रेष्ठ श्रेष्ठ के साथ रजत पदक जीता। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। हालांकि, इस बार वह अपने पदक का बचाव नहीं कर पाए। नीरज सिर्फ एक ही सफल प्रयास कर सके और उन्होंने छह में से पांच फाउल किए।

अपने कार्यकाल के दौरान राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज की हमेशा वकालत की। उन्होंने दोनों देशों से इन बाधाओं से आगे बढ़ने और प्रतिस्पर्धा की भावना को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अंत में कहा कि मुझे लगता है कि हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। आइए हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलने की दिशा में काम करें।

अपने कार्यकाल के दौरान राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज की हमेशा वकालत की। उन्होंने दोनों देशों से इन बाधाओं से आगे बढ़ने और प्रतिस्पर्धा की भावना को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अंत में कहा कि मुझे लगता है कि हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। आइए हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलने की दिशा में काम करें।

अपने कार्यकाल के दौरान राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज की हमेशा वकालत की। उन्होंने दोनों देशों से इन बाधाओं से आगे बढ़ने और प्रतिस्पर्धा की भावना को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अंत में कहा कि मुझे लगता है कि हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। आइए हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलने की दिशा में काम करें।



रवीना टंडन

ने कपड़ों की वजह से टुकराई फिल्म,
शाहरुख खान बोले- तुम पागल हो क्या?

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन इन दिनों अपनी हालिया ओटीटी रिलीज फिल्म 'घुड़चढ़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वो संजय दत्त के साथ नजर आई हैं। इस बीच रवीना ने एक इंटरव्यू में अपने पुराने दिनों को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने शाहरुख खान के साथ मिली एक फिल्म को टुकरा दिया था। इस दौरान उन्होंने फिल्म को टुकराने की वजह भी बताई और जब उन्होंने फिल्म के लिए ना कह दिया तो शाहरुख ने उनसे क्या कहा था, इस बारे में भी बताया। रवीना टंडन ने कहा, शाहरुख खान के साथ एक फिल्म थी। जब तक मेरी कॉस्ट्यूम को लेकर बात नहीं हुई थी, उससे पहले तो मैंने लगभग वो फिल्म साइन कर ही ली थी। कॉस्ट्यूम सच में बेहद अजीब थे। कुछ ऐसा जिसे पहनकर मैं कॉन्फर्टेबल महसूस नहीं करती। मुझे लगा था कि ये कुछ ज्यादा ही ऑब्जेक्टिफाई कर रहा था।

माफी के साथ कर दिया था इनकार

रवीना टंडन ने बताया कि उन्होंने माफी मांगते हुए फिल्म करने से इनकार कर दिया था। इस पर शाहरुख खान काफी हैरान हुए थे और उन्होंने कहा था, क्या तुम पागल हो? तुम अब इस फिल्म के लिये क्यों मना कर रही हो? रवीना ने बताया कि वो उस वक्त एक फिल्म साथ में कर रहे थे। उन्होंने कहा, हम पहले से ही एक फिल्म कर रहे थे, जिसका म्यूजिक बहुत अच्छा था। फिल्म का नाम जादू था। इसके अलावा हमने जमाना दीवाना भी की थी। हमें साथ रहने की आदत हो गई थी।

रवीना ने की शाहरुख खान की तारीफ

इस दौरान रवीना टंडन ने शाहरुख खान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शाहरुख बेहद मजाकिया, गर्मजोशी से भरे और बेहतरीन को एक्टर हैं, जिनके साथ काम किया जा सकता है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि वो बेहतरीन इंसान हैं। मैंने कहा 'शाह' (इस तरह सबसे पहले मैं हा उन्हें बुलाती थी) मैं वो कपड़े नहीं पहन सकती हूँ, मुझे बेहद फनी और मजाकिया महसूस होगा। इस दौरान रवीना टंडन ने अपने गाने टिप टिप बरसा पानी पर भी बात की, जिसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आई थीं। उन्होंने कहा कि मैंने वो गाना किया, लेकिन कभी अजीब कपड़े नहीं पहने।

हालांकि उन्होंने कहा कि जिन फिल्मों को उन्होंने छोड़ा, उन फिल्मों से उन्हें दिक्कत थी। रवीना ने सारी कहानी ज़रूर सुनाई, लेकिन उस फिल्म का नाम नहीं बताया, जिसे उन्होंने टुकराया था। शाहरुख के साथ रवीना ने ये फिल्में भी टुकराईये पहली बार नहीं था कि रवीना टंडन ने शाहरुख खान के साथ किसी फिल्म को टुकराया था। उन्होंने 1993 में आई फिल्म डर में काम करने से इनकार कर दिया था।

एक दिन, पांच फिल्में, बॉक्स ऑफिस पर होने वाली महाक्लेश में दर्शकों की होगी बड़ी जीत



सिनेमा लवर्स के लिए इस साल का स्वतंत्रता दिवस खास होने वाला है। अक्सर देखा जाता है कि हॉलीवुड के मौके पर दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टकराती हैं। मगर इस बार ऐसा नहीं है। इस बार बॉक्स ऑफिस पर एक साथ तीन बड़ी हिंदी फिल्में और दो बड़ी साउथ की पैन इंडिया फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। इन पांचों फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर बड़ा क्लेश देखने को मिलने वाला है। इस टकर में सबसे बड़ा फायदा सिनेमा लवर्स का है। सिनेमा लवर्स को फिल्मों को टकर से क्या मिलेगा? आईए आपको बताते हैं। हर फिल्मकार चाहता है कि उसकी फिल्म ऐसे वक्त पर सिनेमाघरों में आए, जब दर्शक छुट्टी पर हों। दर्शक छुट्टी पर तभी होंगे, जब कोई त्योहार होगा या फिर नेशनल हॉलीडे। इसलिए स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर साल फिल्मों की टकर देखने को मिलती है। पर इस बार ये टकर महा टकर में बदल गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक साथ पांच बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में आ रही हैं। इस बड़े क्लेश में किस फिल्म को फायदा होगा और किस फिल्म को नुकसान? ये तो रिलीज के बाद ही पता लगेगा, लेकिन दर्शकों की बल्ले बल्ले होने वाली है।

महाक्लेश में दर्शकों की जीत है

इस महाक्लेश में दर्शकों की जीत है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं कि हर शाख, हर फिल्म पसंद नहीं करता। किसी को कॉमेडी पसंद होती है तो किसी को एक्शन। कई लोग पॉरियड ड्रामा और कुछ लोग सामाजिक संदेश टाइप फिल्म में देखना चाहते हैं। पर जब छुट्टी के मौके पर आपके पास एक, दो नहीं, बल्कि पांच तरह की नई फिल्मों का ऑफ़न हो तो आपकी बल्ले बल्ले हो जाती है। आप इन पांच फिल्मों के जॉरान को जानते हैं तो आप चुन सकते हैं कि आपको कौन सी फिल्म देखनी है।

अगर आपको हॉरर कॉमेडी पसंद आती है तो आप वेदा या खेल खेल में क्यों देखेंगे। पर अगर आपको एक्शन देखना पसंद है तो आप जॉन अब्राहम की वेदा ही देखेंगे बाकि फिल्में छोड़ देंगे। यानी एक साथ कई फिल्मों का ऑफ़न दर्शकों के लिए किसी जीत से कम नहीं है। फिल्में भले ही टकराएंगी, पर जीत दर्शकों की होगी। उनके पास चुनने के लिए बहुत कुछ होगा। इस बार ऐसा ही कुछ है।

इस बार कौन-कौन सी फिल्में आ रही हैं?

15 अगस्त पर बॉलीवुड की तीन फिल्में एक साथ रिलीज हो रही हैं। पहली फिल्म है अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर खेल खेल में। मुद्दसर अजीब के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय के अलावा तापसी पन्ना, फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सोल और प्रजा जैसवाल जैसे कलाकार हैं। दूसरी फिल्म है श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म स्त्री 2. ये स्त्री का सीकवल है।

**'अगर कोई मेरी बेटी को मारे तो...'
स्कूल में बच्चों की पिटाई करने पर ये
तथा बोल गए इमरान खान?**



इमरान खान अक्सर अपनी बेटी के बारे में बात करते नजर आते हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी बेटी का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अगर स्कूल में कोई उनकी बेटी पर हाथ उठाए तो उनका क्या रिएक्शन होगा। उनके मुताबिक अगर कोई उनकी बेटी पर हाथ उठाए तो जाहिर तौर पर उन्हें गुस्सा आएगा। इसके अलावा उन्होंने इंडिया की एजुकेशन सिस्टम के बारे में भी बात की है। इसके साथ ही उन्होंने अपने बचपन से जुड़ा एक किस्सा भी शेयर किया है। वो आर युवा को दिए इंटरव्यू में इमरान खान ने एजुकेशन सिस्टम के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि जब वो स्कूल में थे और अपनी बेटी से छोटे थे तो टीचर उन्हें रोज पीटते थे और उनके मुताबिक हर गलती का हल 'पीटना' था। इमरान ने याद करते हुए कहा, मैं असल में उस टीचर से परेशान होने लगा था जो हमें पीटते थे। उन्होंने आगे कहा कि अगर यही बात मेरी बेटी के साथ भी हुई तो मुझे गुस्सा आएगा और शायद उसे जान से मारने का भी मन करेगा।

क्या कहा इमरान खान ने?

इसके साथ ही इमरान ने फिल्मों में यौन हिंसा वाले सीन्स के बारे में भी बात की है। इमरान के मुताबिक, वो ऐसे सीन्स करने से पहले दो बार जरूर सोचेंगे, क्योंकि अब वो पिता बन चुके हैं। उनके मुताबिक, एक बार जब आप माता-पिता बन जाते हैं तो आप चीजों को अलग नजरिए से देखना शुरू कर देते हैं। उन्होंने कहा, आज मैं सोचूंगा कि अगर मेरी बेटी ये सीन देखेगी तो मुझे क्या लगेगा। अगर मैं किसी के साथ कोई सीन कर रहा हूँ, जिसमें दो लड़कें 'लड़कों वाली बातें' कर रहे हैं या मैं किसी फीमेल को-वर्कर के साथ कोई सीन कर रहा हूँ, तो मेरी बेटी ये बातचीत देखकर कैसा महसूस करेगी? और, मैं उम्मीद करता हूँ और मैं चाहूंगा कि ये कुछ ऐसा हो, जिससे मुझे शर्मिंदगी न हो।

इमरान खान की फिल्में

इमरान खान लंबे समय से किसी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। हालांकि, उम्मीदें हैं कि वो जल्द ही फिल्मों में वापसी करने वाले हैं। अपने फिल्मों सफर में उन्होंने 'जाने तुम्हारा जाने ना', 'किडनैप', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'ब्रेक के बाद', 'डेली बेली', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा!', 'गोरी तेरे प्यार में' जैसी फिल्मों में काम किया है। इमरान आखिरी बार 2015 में आई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में नजर आए थे।

श्वेता तिवारी

ने भद्दी कॉमेडी करने वालों पर साधा निशाना,
बोलीं: औरतों का इस्तेमाल सिर्फ...

श्वेता तिवारी, जाकिर खान के कॉमेडी चैट शो 'आपका अपना जाकिर' में बतौर पैनलिस्ट शामिल हुई हैं। वैसे तो देश की पसंदीदा बहू बनकर लोगों को खूब रुलाने वाली श्वेता इससे पहले भी कॉमेडी में अपना हाथ आजमा चुकी हैं। लेकिन इस शो में वो कॉमेडी करते हुए नहीं बल्कि कॉमेडी को एन्जॉय करते हुए ज्यादा नजर आएंगीं। टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की एक्सक्लूसिव बातचीत में श्वेता तिवारी ने बताया कि वो क्यों इस शो के साथ जुड़ीं और कैसे कॉमेडी की दुनिया में औरतों को सीरियसली नहीं लिया जाता। श्वेता ने कहा, अगर आप देखते हैं तो औरतों को कॉमेडी के लिए बहुत कम चुना जाता है। या तो उनपर हंसने के लिए उन्हें लिया जाता है या फिर शो में ग्लैमर का तड़का लगाने के लिए उनकी कॉस्टिंग की जाती है। लेकिन इस शो में ऐसा नहीं है। हमारे शो में अगर आपने पैनलिस्ट या जाकिर खान को भी देखा हो तो हममें से कोई भी ऐसा नहीं है। अगर आपने जाकिर की खुद की कॉमेडी भी देखी है तो वो कभी दूसरों को रोस्ट नहीं करते, या फिर वो दूसरों पर कभी नहीं



हंसते। अगर उन्हें किसी का मजाक उड़ाना हो, तो वो खुद का ही मजाक उड़ा लेते हैं।

आगे श्वेता तिवारी बोलीं, जाकिर कभी लोगों को नीचे नहीं गिराते, वो असली कॉमेडी करते हैं। जब एक फीमेल एक्टर को इस तरह के कॉमेडी शो में शामिल होने का मौका मिलता है, तो मुझे नहीं लगता कि कोई मना कर पाएगा। अगर कोई मना करता है तो वो सबसे बड़ा बेवकूफ होगा। इसलिए जब मुझे ऐसे शो में शामिल होने का मौका मिला जो इतिहास रचने वाला है, तब मैंने तुरंत इस शो में शामिल होने के लिए हां कर दी। न करने का कोई कारण ही मेरे पास नहीं था

पूरा परिवार देखता है जाकिर खान की कॉमेडी

आगे जाकिर की तारीफ करते हुए श्वेता तिवारी ने कहा कि मेरा पूरा परिवार जाकिर की कॉमेडी का फैन है। खासकर मेरे भाई उनकी कॉमेडी को बेहद पसंद करते हैं।

